जीवन दर्शन

बाधाएं दरअसल भी भयावह चीजें है, जिन पर आपका ध्यान उस समय जाता है जब आप की नजर लक्ष्य से हट जाती है -हेनरी फोर्ड

दैनिक ग्लोबल हेराल्ड

LOCAL TO GLOBAL

महानगर संस्करण

www.globalherald.news

शुक्रवार 29 नवंबर, 2024 ■ वर्ष 13 ■ अंक 290 ■ इंदौर-भोपाल से प्रकाशित ■ पेज 8 ■ मूल्य रु 2.00

मलाई मक्खन के बिना लखनऊ नहीं छोड़ ...

पृष्ठ 8 पर

न्यूज ब्रीफ

योगी कैबिनेट में हो सकता है फेरबदल, साधे जाएंगे दलित-ओबीसी समीकरण

लखनऊ। विधानसभा उपचुनाव में भाजपा गठबंधन के 9 में से 7 सीट जीतने के बाद अब फिर से प्रदेश मंत्रिमंडल में फेरबदल की सुगबुगाहट शुरू हो गई है। कई विधायक जहां मंत्री बनने के लिए जोड़-तोड़ में जुट गए हैं, वहीं सहयोगी दल भी मंत्रिमंडल में कोटा बढ़ाने की दावेदारी करने की तैयारी में हैं। हालांकि, मंत्रिमंडल में फेरबदल दिल्ली विधानसभा चुनाव के बाद संभव है। सूत्रों की मानें तो इस बार मंत्रिमंडल में बड़े पैमाने पर फेरबदल की तैयारी है। इनमें कई कैबिनेट और राज्यमंत्रियों का पत्ता साफ हो सकता है। उपचुनाव के पहले से ही फेरबदल की कयासबाजी शुरू हुई थी, लेकिन किसी न किसी कारण से यह मामला टलता रहा है।

पूर्व आईएएस खेडकर को मिली राहत, मामले में कोर्ट ने फैसला रखा सुरक्षित

नई दिल्ली। 2022 बैच की पूर्व आईएएस अधिकारी पूजा खेडकर को दिल्ली हाई कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। गुरुवार को अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई के बाद कोर्ट ने उनकी गिरफ्तारी पर अंतरिम प्रोटेक्शन जारी रखने का आदेश दिया है। साथ ही, जस्टिस चंद्रधारी सिंह ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया है। सुनवाई के दौरान पूजा खेडकर के वकील ने दलील दी कि उनकी क्लाइंट जांच में पूरी तरह सहयोग कर रही हैं और उन्हें हिरासत में लेने की कोई आवश्यकता नहीं है। कोर्ट ने इन तर्कों को स्वीकार करते हुए उनकी गिरफ्तारी पर रोक जारी रखने का निर्देश दिया। पूजा खेडकर पर आरोप है कि उन्होंने 2022 की सिविल सेवा परीक्षा के दौरान अपने आवेदन में दिव्यांग कोटे का गलत तरीके से लाभ उठाने की कोशिश की।

दिल्ली के प्रशांत विहार में धमाका, एक शख्स घायल

नई दिल्ली। दिल्ली के रोहिणी में प्रशांत विहार इलाके में पीवीआर मल्टीप्लेक्स के पास गुरुवार की सुबह 11.48 बजे गुरुवार को धमाका हुआ। घटना में एक शख्स घायल हो गया। नेशनल सिक्योरिटी गार्ड (एनएसजी) और फोरेंसिक टीम जांच के लिए पहुंची है। इसके अलावा जांच के लिए बम निरोधक दस्ता के अधिकारी भी पहुंचे है। धमाका के कारणों का पता लगाया जा रहा है। फायर सर्विस के मुताबिक, उनके पास विस्फोट से जुड़ा एक कॉल आया। इसके बाद फायर ब्रिगेड की 4 गाड़ियां मौके पर पहुंची। यह धमाका पार्क की बाउंड्री वॉल के पास हुआ। बताया जा रहा है कि मौके पर सफेद पाउडर जैसी चीज बिखरी हुई मिली है। प्रशांत विहार में यह दूसरी ऐसी घटना है। इससे पहले 20 अक्टूबर को भी इसी तरह का विस्फोट हुआ था।

यूके में मुख्यमंत्री मोहन ने उद्योगपतियों से किया संवाद...

यादव बोले- देश में सबसे बड़े लैंड बैंकों में से एक है मप्र, आइए यहां करें निवेश

भोपाल ■

दुनिया भर के उद्योगपतियों को मध्यप्रदेश में निवेश के लिए फरवरी-2025 को भोपाल में हो रही ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में आमंत्रित करने के अभियान पर निकले मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंगलवार को यूके (लंदन) के रोड-शो में उद्योगपतियों के इंटरैक्टिव सेशन को संबोधित किया। उन्होंने उद्योगपतियों को बताया कि प्रदेश का लैंड बैंक देश के सबसे बड़े लैंड बैंकों में से एक है। मध्य प्रदेश में निवेश नीतियां स्पष्ट और निवेशकों के लिए अनुकूल हैं। खनन एवं कृषि क्षेत्र में मध्य प्रदेश देश में सबसे आगे है।

आधातभूत सुविधाएं पर्याप्त

प्रमुख सचिव औद्योगिक नीति एवं निवेश संवर्द्धन राघवेन्द्र कुमार सिंह ने बताया कि मध्यप्रदेश अपनी भौगोलिक, प्राकृतिक और आर्थिक क्षमताओं के चलते निवेश के लिए एक आदर्श स्थल है। प्रदेश में भारत का सबसे बड़ा भूभाग (308 हजार वर्ग किमी), 77.5 हजार वर्ग किमी का विशाल वन क्षेत्र और हीरे, तांबे तथा मैंगनीज अयस्क जैसे खनिज संसाधनों की प्रचुरता है। मप्र पावर सरप्लस राज्य है, यहां 31 गीगावाट विद्युत उत्पादन होता है। यहां किफायती दरों पर बिजली आपूर्ति की जाती है। प्रदेश में इन सब आधारभूत सुविधाओं से उद्योग को आसानी से स्थापित और संचालित किया जा सकता है।

बढ़िया माहौल

अपर मुख्य सचिव विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संजय दुबे ने बताया कि मध्यप्रदेश में वायब्रेन्ट टेक इको सिस्टम राज्य सरकार आईटी में निवेश के लिये सहायता प्रदान करती है। मध्यप्रदेश की आईटी/आईटीएस एवं ईएसडीएम नीति-2023 एवं स्टार्टअप नीति से इन क्षेत्रों में उद्यमियों को कई सुविधाएं दी जा रही हैं। हम एवीजीसी (एनीमेशन, विजुअल इफेक्टस, गेमिंग और कॉमिक्स) नीति तैयार कर रहे हैं। प्रदेश में 1200 से अधिक आईटी स्टार्टअप्स हैं, जिनमें से 2 यूनिकॉर्न बन गये हैं। राज्य में प्लग-एंड-प्ले इन्फ्रास्ट्रक्चर है। उन्होंने जानकारी दी कि मध्यप्रदेश में रेन्टल भुगतान की कीमत बहुत कम है।

सुप्रीम कोर्ट बोला-दिल्ली में 2 दिसंबर तक लागू रहेगा ग्रैप-4:स्कूलों को छूट रहेगी

नई दिल्ली ■

दिल्ली में प्रदूषण को लेकर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई होगी। कोर्ट ने कहा कि दिल्ली में सभी ग्रैप-4 उपाय 2 दिसंबर तक लागू रहेंगे। हालांकि स्कूलों के लिए बनाए गए नियमों में छूट दी जा सकती है। जस्टिस अभय ओक और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की बेंच ने कहा - कोर्ट कमिश्नर की रिपोर्ट से पता चलता है कि अधिकारी प्रतिबंधों का पालन करवाने में फेल रहे हैं। इसमें गंभीर चूक करने वाले अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई तेजी से होनी चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब सरकार को भी निर्देश दिया कि वह अपने अधिकारियों को निर्देश दे कि वे किसानों को सैटेलाइट डिटेक्शन से बचने के लिए शाम 4 बजे के बाद पराली जलाने की सलाह न दें। 25 नवंबर को पिछली सुनवाई में कोर्ट ने कहा था- प्रदूषण कम होने तक दिल्ली में ग्रैप-4 लागू रहेगा। साथ ही एयर क्वालिटी कमीशन से पूछा था कि दो दिन में बताएं दिल्ली में जल्द स्कूल कैसे खुलेंगे।मामले की सुनवाई करते हुए कहा कि हमें यह भी स्वीकार करना चाहिए कि सिर्फ तकनीक के इस्तेमाल को बेहतर बनाने से न्याय की गुणवत्ता में सुधार नहीं होगा। हमें समस्या का परमानेंट हल निकालना होगा।

एक्यूआई 400 के पार पहुंचने पर ग्रैप लगाया जाता है

हवा के प्रदूषण स्तर की जांच करने के लिए इसे 4 कैटेगरी में बांटा गया है। हर स्तर के लिए पैमाने और उपाय तय हैं। इसे ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान (ग्रैप) कहते हैं। इसकी 4 कैटेगरी के तहत सरकार पाबंदियां लगाती है और प्रदूषण कम करने के उपाय जारी करती है।

युगांडा में भूस्खलन की चपेट में आने से 15 की मौत

नैरोबी: पूर्वी युगांडा के छह गांवों में भूस्खलन के कारण कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई तथा 113 अन्य लापता हैं। पुलिस ने यह जानकारी दी है। पुलिस के अनुसार 15 घायल लोगों को बचा लिया गया है और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। युगांडा रेड क्रॉस सोसाइटी ने बृहस्पतिवार को बताया कि भूस्खलन में 40 घर नष्ट हो जाने के बाद 13 शव बरामद किए गए हैं। बचाव कार्य अभी भी जारी है। स्थानीय मीडिया ने बताया कि अधिकारियों को आशंका है कि मृतकों की संख्या बढ़कर 30 तक हो सकती है। बुधवार रात भारी बारिश के बाद पहाड़ी जिले बुलाम्बुली में भूस्खलन हुआ। यह जिला राजधानी कंपाला से लगभग 280 किलोमीटर पूर्व में है। हालात बेहद भयावह नजर आ रहे हैं।

झारखंड के 14वें मुख्यमंत्री बने सोरेन चौथी बार ली सीएम पद की शपथ

रांची ■

आज गुरुवार को झारखंड के 14वें मुख्यमंत्री के तौर पर हेमंत सोरेन ने शपथ ली। राज्यपाल संतोष गंगवार ने उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। झारखंड में एक बार फिर सोरेन सरकार का राज शुरू होने वाला है गुरुवार को झारखंड के 14वें मुख्यमंत्री के तौर पर हेमंत सोरेन ने शपथ ली। रांची के मोरहाबादी मैदान में आयोजित कार्यक्रम में राज्यपाल संतोष गंगवार ने उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। वे झारखंड में चौथी बार मुख्यमंत्री के तौर पर चुने गए हैं। इस कार्यक्रम में कई लोग शामिल हुए।

महिलाओं को मिलेंगे 2500 रुपए

झारखंड में नई सरकार के शपथ ग्रहण के बाद राज्य सरकारी मैया सम्मान योजना के तहत महिलाओं को मिल रही धनराशि में बढ़ोतरी की गई है, जिसके तहत अब महिलाओं को 2500 रुपए मिलेंगे, ये राशि दिसंबर महीने से लाभार्थी महिलाओं को दिए जाएंगे।

शपथ ग्रहण कार्यक्रम में पहुंचे ये नेता

आपको बताते चलें कि, हेमंत सोरेन ने चौथी बार राज्य की कमान अपने हाथ में ली है। इसके साथ ही उनके शपथ ग्रहण समारोह में जेएमएम के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिबू सोरेन, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, बंगाल की सीएम ममता बनर्जी, कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार, पूर्णिया के सांसद पप्पू यादव समेत इंडिया ब्लॉक के अन्य नेता शामिल हुए।

नई हेमंत सरकार का पहले फैसले

- 9 से 12 दिसंबर तक विधानसभा का विशेष सत्र
- स्टीफन मरांडी को प्रोटेम स्पीकर किया जाएगा नामित
- राज्य में JPSC/JSSC के अंतर्गत होने वाली नियुक्ति प्रक्रिया को तेज किया जाएगा
- मैया सम्मान के तहत मिलने वाली धनराशि में बढ़ोतरी, दिसंबर से 2500 रुपए दिए जाएंगे
- केंद्र सरकार के पास राज्य का बकाया 1 लाख 36 हजार करोड़ रुपए को लेने के लिए कार्रवाई की जाएगी

अब विजय माल्या-नीरव मोदी की खैर नहीं!- पंकज चौधरी

इंदौर ■

देश के अंदर आर्थिक धोखाधड़ी करने वाले भगोड़े नीरव मोदी और विजय माल्या जैसे अपराधियों को भारत वापस लाया जाएगा। ये बात केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने इंदौर में आयोजित 41वीं ईएजी प्लेनरी बैठक में कही। उन्होंने साथ ही कहा कि सरकार ने कानून में ऐसे संशोधन किए हैं कि यह चाहकर भी बच नहीं पाएंगे।

नीरव और माल्या को वापस लाएंगे भारत

केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी से मीडिया ने सवाल पूछा कि करोड़ों के घोटाले के बाद देश छोड़कर भागे नीरव मोदी, विजय माल्या जैसे अपराधियों को भारत नहीं ला पाया गया है। इस पर उन्होंने जवाब देते हुए कहा कि पहले लोग सोचते भी नहीं थे उन्हें लाने की लेकिन मोदी सरकार ने कानून में परिवर्तन किया और उन्हें भगोड़ा घोषित किया। अब उन्हें लाने का सरकार के द्वारा लगातार किया जा रहा है। मामला इंटरनेशनल होने के कारण कुछ परेशानी जरूर होगी, लेकिन इस पर भी काम किया जाएगा। केंद्रीय राज्य वित्त मंत्री ने क्रिप्टो करेंसी पर कहा है कि हम क्रिप्टो करेंसी को भारत में मान्यता नहीं देंगे। इधर, गुजरात पोर्ट पर नशे के जखीरा पकड़े जाने के सवाल पर कहा कि पोर्ट का नाम अडानी के नाम होने से ऐसा नहीं कह सकते हैं कि पोर्ट पर नशा पकड़ा जाने पर अडानी दोषी हैं।

अमित शाह के घर पर हुई महायुति की मीटिंग, मुख्यमंत्री के नाम पर चर्चा

मुंबई ■

महाराष्ट्र में अगला मुख्यमंत्री महायुति से कौन होगा? इसे लेकर तस्वीर अब जल्द ही साफ हो जाएगी. महाराष्ट्र में सरकार गठन को लेकर दिल्ली में केंद्रीय मंत्री अमित शाह के घर पर महत्वपूर्ण बैठक हुई.

बैठक में बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, कार्यवाहक मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, देवेंद्र फडणवीस, अजित पवार मौजूद थे. मुख्यमंत्री की रेस में फडणवीस का नाम सबसे ऊपर चल रहा है. सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, पिछली सरकार की तरह नई सरकार में भी दो डिप्टी सीएम बनाए जाएंगे. इसके लिए शिवसेना (शिंदे गुट) से दादा भूसे और राकांपा (अजित पवार) गुट से शंभू राज देसाई के नाम की चर्चा है. अभी फाइनल डिसीजन सामने आना बाकी है. बताया जाता है कि सीएम के नाम की घोषणा क की जाएगी. महाराष्ट्र के कार्यवाहक मुख्यमंत्री और शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के आवास पर पहुंचे थे. पहले महाराष्ट्र के कार्यवाहक मुख्यमंत्री और शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे ने कहा, मैंने कल प्रेस कॉन्फ्रेंस में अपनी भूमिका साफ कर दी है कि महायुति के मुख्यमंत्री को लेकर कोई बाधा नहीं है. यह 'लाडला भाई' दिल्ली आ चुका है और 'लाडला भाई' मेरे लिए किसी भी पद से बड़ा है.

संसद में प्रियंका गांधी का पहला दिनः 'कसावु' साड़ी पहनकर पहुंचीं, संविधान की कॉपी लेकर शपथ ली

नई दिल्ली ■

केरल के वायनाड से चुनाव जीतकर प्रियंका गांधी गुरुवार को पहली बार लोकसभा पहुंचीं। उन्हें सांसद पद की शपथ दिलाई गई। प्रियंका ने हिंदी में शपथ ली। इस दौरान उन्होंने राहुल की तरह हाथ में संविधान की कॉपी पकड़ी हुई थी। प्रियंका जब संसद पहुंचीं, तो कांग्रेस नेताओं ने बाहर ही उनका स्वागत किया। सदन में एंट्री से पहले भाई राहुल ने उन्हें रोका और कहा- स्टॉप, स्टॉप, स्टॉप... लेट मी ऑलसो टेक योर फोटो... (रुको, रुको, रुको... मुझे भी तुम्हारी फोटो लेने दो...)

संसद में प्रियंका ने संविधान की कॉपी हाथ में लेकर हिंदी में शपथ ली। प्रियंका के सांसद बनने पर मां सोनिया गांधी ने कहा, वी आर ऑल वेरी हैप्पी एंड प्राउड... (हमें गर्व है और हम सब बेहद खुश हैं...) प्रियंका संसद में केरल की प्रसिद्ध 'कसावु' साड़ी पहनकर पहुंची थीं। संसद में राहुल और सोनिया के साथ प्रियंका के पति रॉबर्ट वाड्रा भी मौजूद थे। शपथ के बाद प्रियंका ने कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे का आशीर्वाद लिया। संसद में पहली बार गांधी परिवार के 3 सदस्य मौजूद हैं। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल यूपी के रायबरेली से और प्रियंका केरल के वायनाड से सांसद हैं। जबकि सोनिया राजस्थान से राज्यसभा सदस्य हैं। केरल की प्रसिद्ध कसावु साड़ी प्लेन ऑफ वॉइट कलर में होती है। इस पर गोल्डन बॉर्डर होता है। साड़ी के रॉयल वर्जन में इस बॉर्डर को असली सोने के धागे से तैयार किया जाता है। एक साड़ी बनाने में 3 से 5 दिन लगते हैं और कीमत 5,000 से 5 लाख तक होती है।

प्रियंका ने बताया- उनके पास 12 करोड़, पति वाड्रा के पास 65 करोड़ की संपत्ति

चुनावी हलफनामे में प्रियंका गांधी ने 12 करोड़ रुपए से ज्यादा की संपत्ति घोषित की थी। उनके पास 4.24 करोड़ रुपए की चल और 7.74 करोड़ रुपए की अचल संपत्तियां हैं। प्रियंका ने पति रॉबर्ट वाड्रा की संपत्ति का भी ब्योरा दिया था। वाड्रा के पास कुल 65.54 करोड़ रुपए की संपत्ति है, जिसमें से चल संपत्तियां 37.9 करोड़ रुपए और अचल संपत्तियां 27.64 करोड़ रुपए की हैं।

व्यंग्य : अदृश्य भारतीय सैनिक उड़ा देंगे दुश्मन के होश..!

ग्लोबल हेराल्ड
न्यूज एनालिसिस
GHNA
दिलीप शर्मा
(वरिष्ठ पत्रकार)

"अदृश्य भारतीय सैनिक" यह कैसे हो सकता है तो इसका जवाब है अदृश्य करने वाला कपड़ा और यह चमत्कार आईआईटी कानपुर के वैज्ञानिकों ने कर दिया. वर्ष 1987 में आई 'मिस्टर इंडिया' फिल्म में जो रोल अनिल कपूर ने किया था, वैसे ही गायब होकर भारतीय सैनिक भारत के दुश्मन देश चीन, पाकिस्तान के होश उड़ा सकते हैं जैसे कि मिस्टर इंडिया ने गुंडे 'मोगेम्बो के आतंक के साम्राज्य को नष्ट कर दिया था..!

अदृश्य करने वाला कपड़ा सिर्फ सैनिकों को मिले : बाकी से अदृश्य रहे ..!

एक प्रमुख मीडिया रिपोर्ट में जब भारतीय वैज्ञानिकों के कमाल की खबर देखी तो दिल खुश हुआ कि जो सिर्फ सपना जैसा था वह सच होने जा रहा है अर्थात आईआईटी कानपुर के वैज्ञानिक प्रोफेसर कुमार वैभव श्रीवास्तव, एस अनंत रामकृष्णन एवं जे रामकुमार ने मिलकर ऐसा कपड़ा तैयार कर लिया है जिसे पहनकर व्यक्ति अदृश्य हो सकता है यानी कोई भी उसे देख नहीं सकेगा. कुमार वैभव इस पर 2010 से काम कर रहे थे फिर दोनों वैज्ञानिक और जुड़ गए. 2019 में भारतीय सेना ऐसी तकनीक खोज रही थी, जिससे दुश्मन के राडार को चकमा दिया जा सके और उसमें सफलता मिल चुकी है. इस कपड़े का मटेरियल दुश्मन के राडार, सैटेलाइट, इंफ्रारेड कैमरा, ग्राउंड सेंसर और थर्मल इमेजर को धोखा दे सकता है.इस कपड़े का प्रदर्शन आईआईटी कानपुर में हुए डिफेंस स्टार्टअप एग्जीबिशन में भी किया गया था. जहां पर इसकी काफी प्रशंसा हुई. अगर इस कपड़े को आर्मी की गाड़ियों के चारों तरफ लगा दिया जाए. सैनिकों को इसका यूनिफॉर्म दिया जाए तो वो दुश्मन के किसी भी प्रकार के कैमरे में ट्रैक नहीं होंगे. न ही किसी इमेजिंग सिस्टम में. न ही सेंसर में. इससे दुश्मन की कई तकनीक को विफल किया जा सकता है. सबसे बड़ी विशेषता यह भी है कि सैन्य वाहनों के कवर भी इस कपड़े से बनाए जा सकते हैं, यह कपड़ा विदेशों से मंगाए जाने वाले सरफेस क्लोकिंग सिस्टम से 6-7 गुना सस्ता है. आईआईटी कानपुर के डायरेक्टर मनिंन्द्र अग्रवाल इस कपड़े यानी मेटामटेरियल का उद्घाटन भी कर चुके हैं. व्यक्ति इस कपड़े को पहने तो सिर्फ हाथ व सिर हवा में दिख सकेंगे यानी सामने वाला दुश्मन धोखे में रहेगा.मेटातत्व कंपनी के एमडी और पूर्व एयर वाइस मार्शल प्रवीण भट्ट ने कहा कि अगर अप्रूवल मिले तो यह मैटेरियल हम भारतीय सेना को एक साल में दे सकते हैं. यह किसी भी तरह के इमेजिंग प्रोसेस को रोकने में सक्षम है..!खैर ऐसे चमत्कारी कपड़े का भारतीय सेना के लिए उपयोग तो बेहतर रहेगा, लेकिन ऐसे अदृश्य करने वाले कपड़े को माफिया व अन्य आतंकी तत्वों की पहुंच से भी अदृश्य रखना होगा, ताकि कोई दुरूपयोग नहीं कर सके..!

संभलः मस्जिद को हरिहर मंदिर बताने वाली सर्वे रिपोर्ट आज होगी पेश

चंदौसी ■

संभल में शाही जामा मस्जिद के हरिहर मंदिर होने का दावा करने के मामले में सिविल जज सीनियर डिविजन संभल स्थित चंदौसी की कोर्ट में 29 नवंबर को पहली सुनवाई होनी है। इसी दिन सर्वे रिपोर्ट अदालत में दाखिल किए जाने की संभावना है। इसको लेकर पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं।

19 नवंबर को सिविल जज सीनियर डिवीजन संभल स्थित चंदौसी की अदालत में संभल की शाही जामा मस्जिद को हरिहर मंदिर होने को लेकर कैला देवी मंदिर के महंत ऋषिराज गिरि, हरिशंकर जैन समेत आठ वादकारियों ने छह लोगों के विरुद्ध दावा दायर किया था। न्यायालय ने उसी दिन कोर्ट कमिश्नर रमेश सिंह राघव को नियुक्त करके सर्वे (कमीशन) किए जाने के आदेश देते हुए आगामी तिथि 29 नवंबर सुनवाई के लिए नीयत की गई। कोर्ट कमिश्नर उसी शाम शाही जामा मस्जिद में टीम के साथ सर्वे करने के लिए पहुंचे थे। इसके बाद बीते रविवार की सुबह डीएम व एसपी की सुरक्षा में दोबारा सर्वे के लिए पहुंचे तो संभल में बवाल हो गया। जिसमें पांच लोगों की जान चली गई। शुक्रवार को न्यायालय में सर्वे रिपोर्ट पेश की जा सकती है। शहर में अमन चैन कायम रहे। इसको लेकर प्रशासन ने सुरक्षा के इंतजाम पूरे कर लिए हैं। बृहस्पतिवार को न्यायालय की सुरक्षा में लगे प्रभारी वीरपाल सिंह और शहर कोतवाल रेनू सिंह न्यायालय की सुरक्षा इंतजाम में जुटे रहे। सीओ संतोष कुमार ने भी मौका मुआयना किया। साथ ही न्यायालय की सुरक्षा के लिए ड्रोन कैमरे का ट्रायल भी कराया।

मनी लॉन्ड्रिंग एवं आतंकवाद को फंडिंग रोकने में ईएजी ग्रुप की बैठक मील का पत्थर सिद्ध होंगी - राज्यपाल

भारत सरकार टेरर फंडिंग, मनी लॉन्ड्रिंग के खिलाफ पूरी मजबूती के साथ कार्य कर रही है - राज्य मंत्री चौधरी

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

ईएजी ग्रुप देशों की बैठक मनी लॉन्ड्रिंग एवं आतंकवाद को फंडिंग रोकने में मील का पत्थर सिद्ध होगी। सभी बड़े देशों को एकजुट होकर मनी लॉन्ड्रिंग ओर टेरर फंडिंग को रोकने के लिए एकजुट होकर बड़े कदम उठाने की आवश्यकता है। विश्व में आतंकवाद के पोषण पर नियंत्रण के लिए सभी ईएजी ग्रुप सदस्यों देशों का एकजुट होना बड़ा कदम है। भारत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में मनी लॉन्ड्रिंग और टेलर फंडिंग को रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाए गए हैं।

यह बात आज 41वीं ईएजी प्लेनरी देशों की बैठक के उद्घाटन सत्र में माननीय राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कही। राज्यपाल पटेल ने कहा कि भारत में डिमॉनिटाइजेशन, डिजिटलाइजेशन के माध्यम से पारदर्शी वित्तीय व्यवस्था के लिए विशेष प्रयास हुए। उन्होंने कहा आधुनिक तकनीक के उपयोग से अवैध वित्तीय गतिविधियों को रोकने के लिए विशेष प्रयास किए जाने की आवश्यकता है। इसके लिए ईएजी ग्रुप देश को मजबूत कूटनीतिक और सशक्त प्रयास करने की आवश्यकता है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शांति के लिए ईएजी ग्रुप देशों के प्रयास प्रभावी परिणाम कारक सिद्ध होंगे। कार्यक्रम को केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने संबोधित करते हुए कहा धन शोधन और आतंकवाद को वित्त पोषण की रोकथाम के लिए यूरेशियन देशो का ग्रुप महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा भारत सरकार टेरर फंडिंग के खिलाफ पूरी मजबूती के साथ कार्य कर रही है। भारत में काला धन अधिनियम, आर्थिक अपराध को रोकने के लिए विशेष प्रयास किए गए है और लगातार जारी हैं। भारत में साफ और पारदर्शी वित्तीय प्रणाली के लिए जीएसटी, डिजिटल इंडिया के तहत विशेष प्रयास किए गए हैं। यूपीआई डिजिटल लेनदेन को विशेष प्रोत्साहन दिया जा रहा हैं। भारत में परिवर्तन निदेशालय लगातार सशक्त हो रहा है। भारत की सभी एजेंसियां द्वारा मिलकर आतंकवाद और उग्रवाद को धन पोषित करने वालों, मनी लांड्रिंग पर प्रभावी और कड़ी कार्रवाई हो रही हैं। भारत के इन प्रयासों को और सशक्त बनने में ईएजी ग्रुप की बैठक महत्वपूर्ण सिद्ध होगी। बैठक को मध्य प्रदेश के जल संसाधन मंत्री से तुलसीराम सिलावट ने सम्बोधित करते हुए कहा की लोक माता अहिल्याबाई होल्कर की नगरी में ईएजी ग्रुप की बैठक गर्व का विषय हैं। उन्होंने कहा मनी लॉन्ड्रिंग सीधे तौर पर किसी देश की अर्थव्यवस्था के लिए खतरा है, लेकिन जब यह आतंकवाद को पोषित करती है, तब विश्व की शांति और सद्भाव के समक्ष गंभीर चुनौतियों को जन्म देती है। आतंकवाद को मिलने वाली वित्तीय मदद समस्त विश्व के लिए सर दर्द बनी हुई है इससे निपटने के लिए विश्व के बड़े देशों को एकजुट होना होगा। आज का यह आयोजन वैश्विक अखंडता और मानवता के हित की दिशा में बड़ा कदम है। उन्होंने कहा नक्सलवाद और ड्रग्स का व्यापार भी मनी लॉन्ड्रिंग से बढ़ रहे हैं। इससे निपटना हमारे लिए बड़ी चुनौती हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार ने मनी लॉन्ड्रिंग, टैक्स चोरी, भ्रष्टाचार से निपटने के लिये अनेक प्रभावित कदम उठाएं हैं। भारत में आधार पहचान प्रणाली, बैंक खातों का आधार से लिंक होना, डिजिटल इंडिया, कैशलेस इंडिया जैसे अभियानों से रूपए के लेनदेन में पारदर्शिता बड़ी है। केंद्र और प्रदेश सरकार की विभिन्न योजनाओं की राशि सीधे हितग्राहियों के बैंक खाते में भेजी जा रही है, जो एक पारदर्शी प्रशासन की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास हैं। इन प्रयासो से करप्शन पर नकेल कसी है। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए ईएजी ग्रुप अध्यक्ष यूरी चिकानचिन ने कहा ईएजी ग्रुपों में भारत के प्रयास सार्थक, प्रभावी और प्रशंसनीय हैं। ग्रुप देशों ने विभिन्न सत्रो में बैठक के दौरान टेरर फंडिंग रोकथाम प्रयासों, मनी लांड्रिंग रोकने के संबंध में महत्वपूर्ण निर्णयों पर चर्चा की गई हैं। उन्होंने कहा भविष्य की चुनौतियों और उनकी रोकथाम के लिए भी चर्चा की गई है। यूरेशियन सहित अफ्रीकी देशों सहित विश्व के अन्य क्षेत्रों में आतंकवाद को फंडिंग एक गंभीर चुनौतियों हैं, इस पर भी चर्चा हुई है। ईएजी ग्रुप की बैठक में तकनीकी और प्रौद्योगिकी के बेहतर उपयोग के संबंध में चर्चा हुई हैं। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत के प्रयास प्रशसनीय हैं।

वर्तमान समय में टेक्नोलॉजी और एआई का उपयोग सुरक्षा के बेहतर उपायो के लिए किया जाए

कार्यक्रम में भारत सरकार के वित्त सचिव संजय मल्होत्रा ने आतंकवाद को वित्त पोषण, मनी लांड्रीग रोकथाम, पारदर्शी अर्थव्यवस्था के लिए उठाए गए कदमों के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा यूरिशियन क्षेत्र में टेरर फंडिंग मनी लॉन्ड्रिंग सहित नई चुनौतियां और उस पर नियंत्रण के लिए ईएजी ग्रुप की महत्वपूर्ण भूमिका हैं। उन्होंने कहा यह हमारे लिए गर्व की बात है कि ईएजी ग्रुप के जो भी देश शामिल है कोई भी ग्रे सूची में नहीं है। उन्होंने कहा ग्रुप देशों के बीच बेहतर समन्वय के लिए विशेष प्रयास लगातार किए जा रहे हैं। भारत को ईएजी ग्रुप देश की बैठक की मेजबानी का अवसर मिला। यह भारत के लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा वर्तमान समय में टेक्नोलॉजी और एआई का उपयोग सुरक्षा के बेहतर उपायो के लिए किया जाए इसकी आवश्यकता हैं। उन्होंने कहा मनी लॉन्ड्रिंग के साथ-साथ फाइनेंशियल फ्रॉड प्रभावित लोगों को असेट्स रिकवरी के लिए भी बेहतर कार्य करने की आवश्यकता है। भारत द्वारा इस क्षेत्र में भी प्रभावी प्रयास किए जा रहे हैं। कार्यक्रम में महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने ईएजी अध्यक्ष यूरी चिकानचिन को इंदौर में यूरेशियन गार्डन का प्रमाण पत्र भेंट किया। उद्घाटन सत्र का शुभारंभ राज्यपाल पटेल, केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री चौधरी ने दीप प्रज्वलन कर किया। बैठक में केंद्रीय वित्त अतिरिक्त सचिव विवेक अग्रवाल ने कार्यक्रम के संबंध में विस्तृत जानकारी थी। कार्यक्रम में अतिथिगण के साथ मंचासीन संभागायुक्त दीपक सिंह, कलेक्टर आशीष सिंह भी थे। कार्यक्रम में ईएजी प्लेनरी देशों के डेलिगेट्स एवं प्रतिनिधि गण उपस्थित थे।

सरकार अब आवेदक को खुद लोकायुक्त में पकड़वाने की देगी रुपए 50 लाख का बनेगा फंड, भ्रष्टचारियों के फेर में 75 लाख उलझे

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

शिकायतकताओं को तत्काल मिलेगी ट्रेप की राशि

लोकायुक्त संगठन अब किसी पीड़ित की शिकायत पर किसी शासकीय सेवक को रिश्वत लेते रंगेहाथ पकड़ती है तो जब्त राशि शिकायतकर्ता को तत्काल मिल जाएगी। क्योंकि लोकायुक्त पुलिस ट्रेप की जो राशि पकड़ती है वह आवेदक को खुद देनी पड़ती है, ऐसे में प्रकरण के निराकरण होने तक राशि फंस जाती है। अब आवेदक को राशि तत्काल मिल जाएगा। इसके लिए फंड बनाने का प्रस्ताव भेजा गया है। बाद में कोर्ट से मामले का निपटारा होने के बाद यह राशि विशेष निधि में पहुंच जाए। इस तरह राशि का आना-जाना (रोटेशन) बना रहेगा। लोकायुक्त पुलिस के अधिकारियों ने बताया कि केस का निपटारा होने में औसतन 10 वर्ष लग जाते हैं।

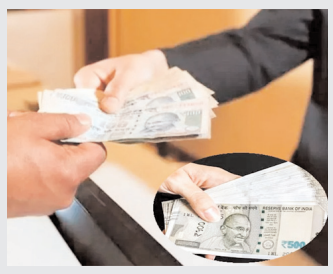

तब तक राशि शिकायतकर्ता को नहीं मिल पाती। यह राशि जब्ती में कोर्ट के अधीन रहती है। इसका कहीं उपयोग भी नहीं किया जा सकता। न ही शिकायतकर्ता को इस राशि का ब्याज मिल पाता है।

भ्रष्टाचार पर रोक लगाने के लिए मप्र सरकार ने एक अनोखी पहल शुरू की है। इसमें अगर कोई भी सरकारी कर्मचारी रिश्वत मांगता है। वही अगर पीड़ित के पास रिश्वत देने के लिए पैसे नहीं हैं तो उसे सरकार पैसे देगी। सरकार रिश्वत की मांग करने वाले सरकारी अधिकारियों को पकड़वाने के लिए ट्रैप मनी के रूप में 45 से 50 लाख रुपए का रिवॉल्विंग फंड बनाएगी। अभी मप्र में किसी भ्रष्ट अधिकारी को पकड़वाने के लिए पीड़ित को ही पैसे का इंतजाम करना पड़ता है। वहीं कई बार पीड़ित पैसों का जुगाड़ नहीं कर पाता है तो विजिलेंस को अधिकारियों को ट्रैप करने में परेशानी होती है।

वहीं अगर ट्रैप मनी फांड बनने के बाद रिश्वत के पैसे के लिए पीड़ित को परेशानी नहीं उठानी पड़ेगी। गौरतलब है कि अभी जब लोकायुक्त किसी की शिकायत पर रिश्वतखोर अधिकारी-कर्मचारी को ट्रैप करती है तो घूस की जो रकम दी जाती है, वह केस खत्म होने पर ही आपको वापस मिलेगी। इसमें 5 से 7 साल भी लग जाते हैं। प्रदेश में इस साल लोकायुक्त के हत्थे बढ़े 130 भ्रष्टाचारियों के फेर में पीड़ितों के 75 लाख रुपए फंसे हैं। लेकिन अब ऐसा नहीं होगा। भ्रष्टों की मांग पर अब आपको जेब से पैसा नहीं निकालना होगा। यह फंड सरकार देगी। इसके लिए रिवॉल्विंग फंड होगा। दरअसल, यदि कोई अफसर रिश्वत में मांगता है तो शिकायतकर्ता को भरोसा दिया जाता है कि जो रकम बह घूस में देगा, यह लौटा दी जाएगी। भ्रष्टों को पकड़ने के बाद रिवॉल्विंग फंड से शिकायतकर्ता को वह राशि लौटाई जाती है। जब केस का निराकरण होता है, तब घूस की रकम कोर्ट से रिलीज करा एजेंसियां फंड में रख लेती हैं।

45 से 50 लाख रुपए का फंड

सरकार लोकायुक्त के लिए अलग से (रिवाल्विंग) फंड बनाने जा रही है। इसमें 45 से 50 लाख रुपए रहेंगे। पीड़ित की शिकायत पर भ्रष्टाचारी अफसर-कर्मी की मांग के अनुसार घूस की रकम लोकायुक्त देगी। फिर कार्रवाई कर जब्त करेगी। इससे पीड़ितों की कमाई बरसों लोकायुक्त और कोर्ट के चकर में नहीं फंसेगी। घूसखोरों को पकड़वाने लोग आगे आएंगे। विशेष पुलिस स्थापना लोकायुक्त जयदीप प्रसाद ने बताया कि इसके लिए शासन को प्रस्ताव भेजा गया है। कुछ राज्यों में पहले से यह व्यवस्था है। शुरूआत में इसके लिए लगभग 50 लाख रुपये का फंड बनाने का प्रस्ताव है। सूत्र बताते हैं, रिवॉल्विंग फंड की सरकार से अनुमति मिलते ही संभागवार इसे बांटा जाएगा। 50 लाख रुपए के फंड में से हर संभाग को करीब 5-5 लाख रुपए आवंटित किए जाएंगे। जिस संभाग क्षेत्र में भ्रष्टों पर कार्रवाई होगी, वहां उसी फंड से रुपए का इस्तेमाल होगा। भ्रतचारियों पर नकेल कसने के लिए राज्यों में अलग-अलग व्यवस्था है। राजस्थान में एसीबी भ्रष्टाचारियों पर कार्रवाई करती है। पीडितों को राहत देते हुए राज्य सरकार ने 2021 में 1 करोड़ का रिवॉल्विंग फंड बनाया। बाद की सरकार ने भी इस फंड को जारी रखा। उत्तराखंड में भ्रष्ट पर विजिलेंस विभाग कार्रवाई करता है। पीड़ितों के रुपए फंसने पर सरकार ने 2022 में दो करोड़ के रिवॉल्विंग फंड की व्यवस्था की। हरियाणा में स्टेट विजिलेंस ब्यूरो के प्रस्ताव को नवंबर 2022 में सरकार ने मंजूरी दी। भ्राटों पर कार्रवाई के लिए 1 करोड़ के रिवॉल्विंग फंड की तैयारी।

इंदौर-बुधनी रेल लाइन में आई बड़ी अड़चन मुख्य सचिव ने ली कलेक्टर्स की बैठक

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

मध्यप्रदेश के इंदौर से बुधनी तक बनने वाली नई रेल लाइन के काम में बड़ी अड़चन आ रही है जिसे लेकर मध्यप्रदेश के मुख्य सचिव ने गुरुवार को इस प्रोजेक्ट में आ रहे इंदौर सहित अन्य जिलों के कलेक्टर के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बैठक की और जानकारी ली। इंदौर-बुधनी नई रेल लाइन के प्रोजेक्ट का कई जिलों में किसान विरोध कर रहे हैं जिसके कारण अभी तक वहां पर जमीन का अधिग्रहण नहीं हो पा रहा है और प्रोजेक्ट में देरी हो रही है।

इंदौर-बुधनी रेल लाइन में आई बड़ी अड़चन

इंदौर-बुधनी रेल लाइन प्रोजेक्ट को लेकर हुई बैठक के दौरान इंदौर कलेक्टर आशीष सिंह ने बताया कि इंदौर-बुधनी रेलवे लाइन को लेकर इंदौर जिले में जो भूमि अधिग्रहण के मुद्दे थे वो पूरी तरह से सुलझा लिए गए हैं और जमीन अधिग्रहण कर रेलवे को सौंपते हुए पूरा पजेशन दिलवा दिया गया है। बता दें कि इंदौर में भले ही जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है लेकिन अन्य जिलों में अभी भी भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया किसानों के विरोध के कारण चल रही है जिसके कारण काम में देरी हो रही है।

150 किमी. कम होगी इंदौर-जबलपुर की दूरी

बता दें कि इंदौर से बुधनी होते हुए गाडरवारा से जबलपुर तक नई रेल लाइन बिछाई जानी है। 342 किमी. लंबी इस रेल लाइन परियोजना के पूरा होने के बाद इन शहरों के बीच सफर करने वाले यात्रियों को काफी फायदा होगा और समय की भी बचत होगी। नई रेल लाइन बनने के बाद जबलपुर-इंदौर के बीच की दूरी महज 5-6 घंटे में पूरी कर ली जाएगी और जबलपुर से गाडरवारा होते हुए बुधनी से सीधे इंदौर का सफर किया जा सकेगा। फिलहाल जबलपुर से इंदौर जाने के लिए भोपाल और उज्जैन के रास्ते जाना पड़ता था। इससे इंदौर से जबलपुर की दूरी लगभग 150 किलोमीटर कम हो जाएगी।

इंदौर पहुंची जशोदा बेन, खजराना मंदिर में परिवार संग किए दर्शन

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

जशोदा बेन गुरुवार दोपहर इंदौर के प्रसिद्ध खजराना गणेश मंदिर पहुंची। इस दौरान उन्होंने विधिवत पूजा अर्चना की और भगवान गणेश से आशीर्वाद लिया। उनके साथ इस मौके पर उनके भाई और परिवार के अन्य सदस्य भी मौजूद थे। जशोदा बेन ने भगवान गणेश की पूजा करने पर खुशी व्यक्त की और देश की समृद्धि तथा विकास की कामना की।

इस मौके पर उन्होंने कहा कि गणपति की पूजा कर अच्छा लगता है। इस अवसर पर उन्होंने देश की समृद्धि और विकास की कामना की। दोपहर 2.30 बजे पूजन गर्भ गृह में पहुंचकर की।पूजन मंदिर के पुजारी जयदेव भट्ट ने करवाया। 15 मिनिट के प्रवास के दौरान मंदिर प्रबंध समिति ने उनका सम्मान किया। वे मंदिर के मुख्य पुजारी रहे स्व. भालचंद भट्ट के निवास पर भी पहुंची। यहां उनकी गणेश मूर्तियों के संग्रह के साथ अन्य स्मृतियों को देखा। इससे पहले वे 2017 में इंदौर आई थीं, तब उन्होंने बिजासन माता मंदिर दर्शन कर चुनरी चढ़ाई थी।

सुपरवाइजर की चाकू मारकर की हत्या

इंदौर। खुड़ैल थाना क्षेत्र में मजदूरों ने मामूली बात पर सुपरवाइजर की हत्या कर दी।सुपरवाइजर ने एक महिला मजदूर को पीने का पानी ढोलने से रोका था। हमले में दो कर्मचारी गंभीर घायल हुए हैं।पुलिस ने कुछ लोगों को हिरासत में लिया है। हमलावरों में एक महिला भी शामिल है। एडिशनल एसपी (ग्रामीण) रुपेश द्विवेदी के मुताबिक घटना ग्राम सनावदिया स्थित नीलगिरी परिसर की है। गांव से थोड़ी दूरी पर प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मकान बनाए जा रहे हैं। निमार्णाधीन इमारत में काम करने वाले मजदूर आसपास ही झोपड़ी बनाकर रहते हैं। कर्मचारियों और मजदूरों के लिए परिसर में ही पानी पीने के लिए टंकिया रखी हैं। गुरुवार दोपहर करीब दो बजे सुषमा नामक महिला मजदूर पानी के पीने से हाथ-पैर धो रही थी।

इंदौर जिले में राजस्व महा अभियान के तीसरे चरण का प्रभावी क्रियान्वयन

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

राज्य शासन द्वारा दिए गए दिशा-निदेर्शानुसार इंदौर जिले में कलेक्टर श्री आशीष सिंह के निर्देशन में राजस्व महा अभियान के तीसरे चरण का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा रहा है। राजस्व प्रकरणों के निराकरण के लिए गाँव-गाँव शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इन शिविरों में प्रमुख रूप से राजस्व प्रकरणों के निराकरण के साथ ही किसानों की फार्मर रजिस्ट्री बनाने, आधार लिंकिंग, किसान ईकेवायसी तथा रिकार्ड दुरूस्ती के साथ ही राजस्व संबंधी अन्य कार्य भी किये जा रहे है।

जिले में यह अभियान गत 14 नवम्बर से प्रारंभ हुआ है, जो 15 दिसम्बर तक चलेगा। राजस्व महा-अभियान 3.0 में आरसीएमएस पर लंबित नामांतरण, सीमांकन, बंटवारा और रिकार्ड दुरूस्ती के प्रकरणों के निराकरण एवं नक्शे में बटांकन, आरओआर आधार लिंकिंग आदि गतिविधियां संचालित की जा रही है। बताया गया कि जिले में अभी तक अभियान के तहत नक्शा तरमीम के 6984 प्रकरणों का निराकरण किया गया है। इसी तरह आधार लिंकिग के 832, फार्मर रजिस्ट्री के 2790, पीएम किसान ई-केवायसी के 760 प्रकरणों को निराकृत किया गया है। इसी तरह समय बाह्य अविवादित नामांतरण के लंबित लगभग 51 प्रतिशत, समय बाह्य विवादित नामांतरण के लगभग 23 प्रतिशत, समय बाह्य अविवादित बंटवारा के 59 प्रतिशत, सीमांकन 78 प्रतिशत तथा अभिलेख दुरूस्ती के 37 प्रतिशत प्रकरणों को निराकृत किया जा चुका है। साथ ही परम्परागत रास्तों के लगभग 44 प्रतिशत प्रकरणों पर चिन्हांकन संबंधी कार्यवाही की गई है। राजस्व महा-अभियान की नियमित रूप से समीक्षा भी की जा रही है। विगत दिनों जिले में बड़ियाकिमा, उमरीखेड़ा, नेनोद, मगरखेड़ा, भाग्या, बांक आदि ग्रामों में ?शिविर लगाये गए। शिविर आयोजन का सिलसिला लगातार जारी है।

अपने अंदर के 'नालायक' को मरने ना दें...

फिर भी जिंदगी हसीन है...
dreamsachieverspune@gmail.com

बात कई साल पुरानी है, 65 वर्षीय राजेन्द्र थोड़े परेशान थे। काफ़ी विचारने के बाद उन्होंने अपने बड़े बेटे को फ़ोन किया और बोले, 'बेटा, तेरी माँ का एक्सीडेंट हो गया है और इस वक्त वे अस्पताल में भर्ती है। कल उनका ऑपरेशन है और उसके लिए तेरी माँ को खून चढ़ाना है।' अभी पिता की बात पूरी भी नहीं हुई थी कि बेटा बीच में ही टोकते हुए बोला, 'पापा, इस वक्त मैं बहुत व्यस्त हूँ। जैसा आप चाहते थे, मेरी नौकरी अमेरिका में लग गई है और मुझे अगले माह वहाँ जाना है। इसलिए मेरा अभी आना नहीं हो पायेगा। अभी जाने की तैयारियों की वजह से हाथ तंग चल रहा है। इसलिए आप छोटे भाई से पैसे मंगवा लेना या फिर कहीं से इंतज़ाम कर लेना। मैं वहाँ जाकर कुछ माह में आपको भेज दूँगा।'

निर्मल भटनागर (एजुकेशनल कंसलटेंट एवं मोटिवेशनल स्पीकर)

ग्लोबल हेराल्ड

इंजीनियर बेटे का जवाब सुन पिता ने बिना कुछ कहे फ़ोन रख दिया और फिर कुछ सोच कर उन्होंने डॉक्टर बेटे को फ़ोन लगाया और उसे भी पूरी घटना कह सुनाई। डॉक्टर बेटे ने ससुराल की शादी के विषय में बताकर आने से मना कर दिया और कहा कि मैं आपको कुछ पैसे भिजवा देता हूँ और डॉक्टर से बात कर माँ के इलाज के विषय में चर्चा कर लेता हूँ। हालाँकि उस बेटे ने ना तो पैसे भेजे और ना ही डॉक्टर से बात की। दोनों बेटों की बात से पिता बड़े मायूस हुए और उन्होंने यह सोचते हुए मझले बेटे को फ़ोन नहीं लगाया कि 'उस नालायक को फ़ोन करने से क्या फ़ायदा, वह तो कुछ करने लायक़ ही नहीं है।' फिर वे बोझिल कदमों से पत्नी के पास पहुँचे और पुरानी यादों में खो गए। एक ही मिनिट में उन्होंने बड़े और छोटे बेटे को इंजीनियर और डॉक्टर बनाने से लेकर उनकी शादी बड़े घरानों में कराने तक में लगी मेहनत और शादी के बाद छोटी सी बात पर अपनी पत्नी के साथ घर से अलग होने की घटना को याद कर लिया। इसके बाद उन्होंने अपने मझले बेटे को याद किया, जो पढ़ाई से लेकर जीवन में कुछ ख़ास नहीं कर पाया था। इसलिए ही उन्होंने उसका नाम ही 'नालायक' रख दिया था। बहस करने की आदत के कारण राजेन्द्र इसे बिगड़ैल बच्चा मानते थे। राजेन्द्र गुरु की जीवन भर की बचत दोनों बेटों की पढ़ाई में खर्च हो गई थी। इसीलिए रिटायरमेंट के समय भी उन्हें ना के बराबर पैसे मिले थे। शहर में एक घर, थोड़ी जमीन और गाँव में एक खेत था। घर का खर्च पेंशन से चल जाया करता था। राजेंद्र जी को जब लगा कि मझला बेटा सुधरने वाला नही तो उन्होंने बँटवारा कर दिया और उसे गाँव में खेती की ज़मीन देकर वहीं रहने भेज दिया। हालाँकि वह शहर में व्यवसाय करना चाहता था, पर पिता की जिद के आगे झुक गया और गाँव में ही झोपड़ी बनाकर रहने लगा और खेती करने लगा। राजेंद्र जी अपने दोनों होनहार बेटों के साथ शहर आकर बस गए। जब भी उन्हें मौक़ा मिलता था वे सबके सामने अपना सीना गर्व से चौड़ा करके, दोनों होनहार बेटों की बढ़ाई करने लगते। जब तक कोई उनसे पूछ ना ले, तब तक वे उस नालायक का नाम भी नहीं लेते थे। अभी वे इन विचारों में ही खोए हुए थे कि 'पापा... पापा...' की आवाज़ ने उनकी तंद्रा तोड़ी, उन्होंने देखा कि उनका 'नालायक' उनके सामने खड़ा था। उसने उसी पल पिता के पैर पकड़े और रोते हुए बोला, 'पापा, आपने मुझे क्यों नहीं बताया कि माँ का एक्सीडेंट हो गया है। वो तो अच्छा हुआ कि मैंने अपने कुछ मित्रों को आपका ध्यान रखने के लिए कहा था। उन्होंने ही मुझे फ़ोन करके इस विषय में बताया। अब आप बिल्कुल भी चिंता मत कीजिए और घर जाकर आराम कीजिए। मैं यहाँ रुककर माँ का ध्यान रख लूँगा और हाँ, पैसों की चिंता मत कीजियेगा।' इसके बाद उस 'नालायक' ने अपना खून माँ को दिया और पूरे एक माह वहीं रुक कर तब तक माँ की सेवा की, जब तक वे पूरी तरह चंगी नहीं हो गई। उससे जब इलाज में हुए खर्चे के विषय में पूछा तो वह बोला, 'पिताजी, खैराती अस्पताल था इसलिए सब कुछ आसानी से हो गया।' समय के साथ धीमे-धीमे सब कुछ ठीक हो गया और वह 'नालायक' वापस अपने गाँव चला गया। एक दिन राजेंद्र जी के मन में आया क्यों ना अपने 'नालायक' की खबर ले ली जाये। विचार आते ही वे पत्नी को साथ ले गाँव पहुँच गए। लेकिन वे वहाँ यह देख हैरान रह गए कि उनका नालायक खेत किसी और को बेच कर नौकरी की तलाश में दूसरे गाँव चला गया है। जब उन्होंने इस विषय में गांव वालों से पूछा तो उन्हें पता चला कि माँ के इलाज के लिए पैसों का इंतजाम करने के लिए उसने खेत बेचा है। अब गाँव में उसके पास सिर्फ़ एक झोपड़ी बची है। पिता ने पड़ोसी के यहाँ से चाबी लेकर जब झोपड़ी खोली तो वे यह देखकर हैरान रह गए कि इस 'नालायक' ने माँ के इलाज के लिए लगभग 10 लाख रुपये खर्च किए है। राजेन्द्र जी ठंडी और गहरी साँस लेते हुए बोले, 'जानकी, तुम्हारा बेटा था तो नालायक ही और साथ में झूठा भी।' यह कहते वक्त उनकी आँखों से आँसू बह रहे थे और वे उसे याद करते हुए ईश्वर से उसके लौट आने की प्रार्थना कर रहे थे। दोस्तों, मझला शायद सचमुच ही बड़ा नालायक था, अपना माता-पिता की सेवा के लिए अपना सारा कैरियर और खेती जैसा व्यवसाय छोड़, निकल गया था और हाँ यह लेख पढ़ते वक्त अगर आँखें नम हुई तो समझो आपके अंदर भी एक नालायक़ जिंदा है और अब आपका काम है कि वह कभी आपके अंदर मर ना पाये...

लोकसेवा ग्यारंटी : समय-सीमा में प्रकरण निराकृत नहीं करने वाले 16 अधिकारियों के विरूद्ध लगाई पेनल्टी

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने इंदौर जिले में लोकसेवा ग्यारंटी अधिनियम के तहत समय-सीमा में प्रकरणों का निराकरण नहीं करने पर आज 6 अधिकारियों पर आर्थिक पेनल्टी लगाई है। इसे मिलाकर जारी नवम्बर माह में अब तक कुल 16 अधिकारियों पर कलेक्टर द्वारा पेनल्टी लगाई जा चुकी है।

इंदौर जिले में कलेक्टर श्री आशीष सिंह द्वारा लोकसेवा ग्यारंटी अधिनियम के तहत दर्ज प्रकरणों का समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित कराया जा रहा है। श्री सिंह द्वारा निराकरण की प्रगति की लगातार समीक्षा की जा रही है। समय-सीमा में प्रकरणों का निराकरण नहीं करने वाले अधिकारियों के विरूद्ध कार्यवाही की जा रही है। कलेक्टर श्री सिंह ने आज 6 अधिकारियों के विरूद्ध 7 हजार 750 रुपये की पेनल्टी लगाई है। जिन अधिकारियों के विरूद्ध पेनल्टी लगाई गई है उनमें नगर निगम के स्वास्थ्य अधिकारी, मानपुर, सिमरोल तथा खुडेल के नायब तहसीलदार, बिचौली हप्सी और मल्हारगंज के तहसीलदार शामिल है। कलेक्टर श्री सिंह द्वारा इससे पूर्व भी नवम्बर माह में 10 अधिकारियों पर पेनल्टी लगाई जा चुकी है। इनमें कनाडिया, बिचौली हप्सी और खुड़ेल के तहसीलदार, ग्राम पंचायत बांक, बुढ़ी बरलई, कुड़ाना, अजनोद तथा पिवड़ाय के सचिव, बेटमा के मुख्य नगर पालिका अधिकारी और नगर निगम के स्वास्थ्य अधिकारी शामिल है।

सीएम मॉनिट की समीक्षा बैठक सम्पन्न

इंदौर (ग्लोबल हेराल्ड)। कलेक्टर आशीष सिंह के निर्देशानुसार अपर कलेक्टर रोशन राय द्वारा आज कलेक्टर कार्यालय में सीएम मॉनिट के संबंध में समीक्षा बैठक ली गई। बैठक में सभी संबंधित विभागों के अधिकारीगण मौजूद थे। सीएम मॉनिट से संबंधित विभिन्न विभागों के पूर्व में लंबित 193 शिकायतों में से 133 प्रतिवेदन प्राप्त हुए। शेष विभागों को लंबित शिकायतों का गंभीरतापूर्वक अवलोकन कर त्वरित निराकरण करने हेतु निर्देशित किया गया।

भाजपा संगठन में नई पौध को ऊर्जा देने के लिए आगे बड़ी

कार्यकर्ताओं को उनकी मेहनत का फल देने पर फोकस

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

विधानसभा-लोकसभा चुनाव में मिली जीत के बाद अब भाजपा का पूरा फोकस संगठन चुनाव पर है। भाजपा में संगठनात्मक बदलाव के लिए संगठन चुनाव की प्रक्रिया भी शुरू हो गई है। फिलहाल बूथ स्तर पर भाजपा के सक्रिय सदस्यों को पदाधिकारी चुना जा रहा है। भाजपा के संगठन चुनाव पर केंद्रीय नेतृत्व की विशेष नजर है। इसके लिए जारी हाईकमान के निर्देश में कहा गया है कि बूथ, मंडल या जिलाध्यक्ष के चुनाव निष्पक्ष और सर्वसम्मति से होने चाहिए। विधायक या सांसद अपने समर्थक या रिश्तेदार को संगठन में बैठाने का प्रयास करें तो उसे सफल न होने दिया जाए। इसका सीधा आशय यही है कि कोई भी जनप्रतिनिधि संगठन को जेब में रखने यानी अपनी मर्जी से चलाने की कोशिश करेगा तो ऐसे प्रयास को विफल कर देना है। चुनाव से जुड़े प्रभारियों को भी स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि जनप्रतिनिधियों के घर बैठकर संगठन चुनाव की औपचारिकता नहीं निभाई जाए। इसकी वजह यह मानी जा रही है कि मप्र में सत्ता शीर्ष पर जो पीढ़ी परिवर्तन हुआ है, उससे संगठन प्रभावित नहीं हो।

समर्थक रिश्तेदारों को बैठाने से परहेज

भाजपा के संगठन पर्व के तहत 14 नवंबर से बूथ कमेटी के चुनाव शुरू हो चुके हैं जो 20 नवंबर तक चलेंगे। भाजपा का संगठन पर्व पर हमेशा से से केंद्रीय नेतृत्व विशेष तौर पर गंभीर रहता है। इसका कारण यह है कि मप्र का भाजपा संगठन पार्टी की प्रयोगशाला रही है। संगठन क्षमता यहां इतनी मजबूत है कि चुनाव हो या कोई अन्य चुनौती, पार्टी का प्रदर्शन सदैव श्रेष्ठ रहा है। यही वजह है कि पार्टी संगठन चुनाव में किसी तरह की कोई कोताही बरतना नहीं चाहती। स्व. कुशाभाऊ ठाकरे, प्यारेलाल खंडेलवाल, कैलाश जोशी और राजमाता विजयाराजे सिंधिया को प्रदेश में संगठन की

मजबूत नींव रखने का श्रेय दिया जाता है। पार्टी सूत्रों के मुताबिक इस पर भाजपा के संगठन चुनाव में विधायक सांसदों पर कड़ी नजर है। स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि बूथ, मंडल सर्वसम्मति से होने चाहिए। विधायक या सांसद अपने समर्थक या रिश्तेदार को संगठन में बैठाने का प्रयास करें तो उसे सफल नहीं होने दिया जाएगा। भाजपा पीड़ी परिवर्तन की रणनीति पर काम कर रही है। इसका सीधा आशय यही है कि कोई भी जनप्रतिनिधि संगठन को जेब में रखने यानी अपनी मर्जी से चलाने की कोशिश करेगा तो ऐसे प्रयास को विफल कर देना है। पिछले संगठन चुनाव में बुंदेलखंड के एक विधायक ने अपने घर पर ही संगठन चुनाव की सारी प्रक्रिया पूरी करवा ली थी। बाद में शिकायत मिली तो नए सिरे से प्रक्रिया करवाई गई। महाकौशल और विध्य क्षेत्र में कुछ ताकतवर मंत्रियों ने भी अपने समर्थकों को ही पदाधिकारी बनवा दिया था। पार्टी चाहती है कि ऐसे किसी मामले की पुनरावृत्ति न हो। पिछली बार हुए चुनावों में अधिकांश विधायकों ने अपने चहेते कार्यकर्ताओं को मंडल अध्यक्ष बनवा लिया था। इसकी शिकायत दिल्ली तक हुई थी। तब शिकायतों के आधार पर प्रदेश संगठन ने कुछ मंडल अध्यक्ष भी बदले थे। इस बार संगठन सांसद, विधायकों और संगठन के जिले के नेताओं से चर्चा के बाद मंडल अध्यक्ष का निर्वाचन करेगा। पार्टी का प्रयास होगा कि सर्वसम्मति से अध्यक्ष का नाम तय हो और कही भी चुनाव की नौबत न आए।

नड्डा की कार्यशाला में बनेगी रणनीति

जानकारी के मुताबिक दिल्ली में संगठन चुनाव को लेकर आयोजित कार्यशाला पार्टी के नेताओं ने एक ही संदेश दिया जाएगा कि पार्टी अपनी ताकत का एहसास करने के लिए तैयार रहे। जिला स्तर तक कार्यशालाएं कराकर भाजपा इस बार के संगठन चुनाव को और मजबूत बनाएगी। राजनीतिक प्रेक्षकों के अनुसार अगले 90 दिनों में भाजपा के जिला अध्यक्ष और प्रदेश अध्यक्ष में परिवर्तन को तय करने की रणनीति बनी है। इस कार्यशाला में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा सहित अन्य राष्ट्रीय पदाधिकारियों और सभी प्रदेश अध्यक्षों सहित संगठन से जुड़े लगभग सवा सौ शीर्ष नेता शामिल होंगे। संगठन चुनाव के पहले चरण में 14 से 20 नवंबर तक संगठन चुनाव का पहला चरण पूरा हो गया है। अब इसमें बूथ कमेटियों का गठन हो जाएगा। मंडल और जिलाध्यक्ष के चुनाव से पहले 22 नवंबर को सभी राज्यों के चुनाव प्रभारियों की दिल्ली में बैठक होगी, जिसमें अगले चरणों की तिथि तय की जाएगी। पार्टी नेताओं का यह भी आंकलन है कि इस बैठक में राष्ट्रीय स्तर पर कार्यकारी अध्यक्ष की घोषणा हो सकती है।

जातीय समीकरण तय करेंगे जिलाध्यक्ष

भाजपा में संगठनात्मक चुनाव की गतिविधियों ने गति पकड़ ली है। दिसंबर माह के अंत में जिलाध्यक्ष का चुनाव होना है। जिलाध्यक्ष पद के लिए अंचल के सभी जिलों में जोर अजमाइश शुरू हो गई है। जिलास्तर पर बूथ और मंडल के चुनाव होने के बाद प्रदेश का शीर्ष नेतृत्व जिलाध्यक्षों के नाम पर विचार करेगा। यह तय माना जा रहा है कि भाजपा जिलाध्यक्षों की नियुक्तियों में जातीय समीकरणों को साधने का प्रयास करेगी। वहीं जिलों में अपना वर्चस्व कायम रखने के लिए बड़े नेताओं ने अपने खेमों से नाम छांटना शुरू कर दिए हैं।

ई-श्रम पोर्टल के माध्यम से पंजीकृत श्रमिकों की स्थायी एवं अस्थायी पात्रता पर्ची होगी जारी

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

ई-श्रम पोर्टल के माध्यम से पंजीकृत श्रमिकों की पात्रता पर्ची स्थायी एवं अस्थायी रूप से जारी की जाएगी। जिले के ई-श्रम पोर्टल पर पूर्व से पंजीकृत श्रमिक पात्रता पर्ची के माध्यम से राशन प्राप्त कर रहे है। इंदौर जिले में कलेक्टर श्री आशीष सिंह के निर्देश पर शेष श्रमिकों की पात्रता पर्ची जारी के लिए जिले में सर्वे अभियान चलाया जा रहा है तथा राज्य स्तर से भी श्रमिकों के दिये गये मोबाईल नम्बर पर आवेदन करने हेतु समय-समय पर निर्देशित किया जा रहा है।

ऐसे श्रमिक (असंगठित एवं प्रवासी श्रमिक) के अंतर्गत वे अपने ई-श्रम कार्ड के साथ अपनी अस्थायी पात्रता पर्ची के लिए डीएससी/डीएसओ/जेएसओ/स्थानीय निकाय/ग्राम पंचायत/वार्ड कार्यालय में लेने जाएंगे। संबंधित कार्यालय के कर्मचारी/अधिकारी राशन मित्र पोर्टल पर श्रमिक के यूएएन (वअठ) नम्बर से अस्थाई पर्ची सर्च कर पाएगें, तत्पश्चात निर्धारित प्रक्रिया अनुसार वैध दस्तावेज जिसमें परिवार समग्र आईडी, आधार कार्ड एवं पात्रता संबंधी दस्तावेजों को राशन मित्र पोर्टल के माध्यम से सत्यापित कर श्रमिक की स्थाई पात्रता पर्ची जारी की जाएगी। श्रमिक का सत्यापन एवं स्थाई पात्रता पर्ची जारी होने के उपरान्त ही राशन सामग्री के लिए पात्र हो सकेंगे। श्रमिकों की अस्थायी पात्रता पर्ची जारी होने पर तीन माह के अंतराल में श्रमिक द्वारा स्थायी पात्रता पर्ची लेने के लिए आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत नहीं करने पर अस्थायी पात्रता पर्ची निरस्त कर दी जाएगी।

राष्ट्रीय शालेय करते एवं शूटिंग प्रतियोगिता की तैयारियों के संबंध में बैठक आज

इंदौर। 68 वीं राष्ट्रीय शालेय करते एवं शूटिंग प्रतियोगिता की प्रारंभिक तैयारियों के संबंध में आज दोपहर 01.30 बजे कार्यालय जिला पंचायत जिला इन्दौर के सभागृह बैठक आयोजित की गई है। संयुक्त संचालक लोक शिक्षण संभाग इंदौर श्री अरविन्द सिंह ने बताया कि राष्ट्रीय शालेय करते प्रतियोगिता में 19 वर्ष से कम एवं शूटिंग प्रतियोगिता में 17 वर्ष के बालक एवं बालिका इस स्पर्धा में भाग लेंगे। यह प्रतियोगिता 20 दिसम्बर से 24 दिसम्बर 2024 तक आयोजित होना है। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता में स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया से मान्यता प्राप्त इकाइयों के लगभग 1500 प्रतिभागी सहभागिता करेंगे। इस आयोजन के संबंध में व्यापक तैयारियों और प्रबंधों के संबंध में व्यवस्थाओं के लिए यह बैठक आयोजित की गई है।

देपालपुर में कल लगेगा विशाल स्वास्थ्य शिविर

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर चिकित्सा सुविधाएं पहुंचाने की मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की परिकल्पना को साकार रूप देने के उद्देश्य से संभागायुक्त श्री दीपक सिंह की पहल पर इंदौर संभाग के दूरस्थ ग्रामीण अंचलों में मेगा हेल्थ कैम्प के आयोजन का सिलसिला प्रारंभ किया गया है।

इसी सिलसिले में 30 नवम्बर शनिवार को इंदौर जिले के देपालपुर में विशाल स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया जा रहा है। यह शिविर तहसील परिसर देपालपुर में आयोजित होगा। इस शिविर में इंदौर के मेडिकल कॉलेजों, इससे जुड़े अस्पतालों और अन्य शासकीय तथा अशासकीय अस्पतालों के विशेषज्ञ चिकित्सक शिविर में पहुंचेंगे, ग्रामीणों का स्वास्थ परीक्षण करेंगे, निःशुल्क दवाईयां देकर उनका उपचार किया जायेगा। साथ ही मरीजों की आवश्यकता के अनुसार अत्याधुनिक मशीनों द्वारा विभिन्न तरह की निःशुल्क जांचें भी की जायेगी। ऐसे मरीज जो गंभीर/जटिल बीमारी से पीड़ित है, उनका चिन्हांकन कर लगातार फॉलोअप और मॉनिटरिंग भी की जायेगी। आवश्यकता के अनुसार इंदौर में उनका उपचार/आपरेशन भी कराया जायेगा। कैम्प में मरीजों के पंजीयन के लिए ऑनलाइन व्यवस्था भी रहेगी। साथ ही पंजीयन के लिए पर्याप्त स्टॉल भी रहेंगे। चिन्हित मरीजों का वैज्ञानिक रूप से डाटाबेस तैयार कर उनकी लगातार मॉनिटरिंग और फॉलोअप किया जायेगा। इसके लिए एक विशेष पोर्टल एवं एप भी तैयार किया जा रहा है। इसमें मरीज और उनकी बीमारी तथा उसे उपलब्ध उपचार की जानकारी रहेगी। मरीजों को कैम्प तक लाने ले जाने की व्यवस्था की जायेगी। इन मेगा हेल्थ कैम्प के माध्यम से दूरस्थ क्षेत्र में बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के लिए हैल्थ कैम्प में केंसर, सिकलसेल, टीबी, लेप्रोसी, सिलोकोसिस, दंत, नेत्र सहित अन्य गंभीर बीमारियों से प्रभावितों का स्वास्थ्य परीक्षण किया जायेगा। विभिन्न प्रकार की स्वास्थ्य जांच भी होगी।

इंदौर में दो महिलाओं ने एक दूसरे के पति को किडनी देकर बचाया सुहाग

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

कई बार परिवार में डोनर नहीं मिलने के कारण सही समय पर किडनी ट्रांसप्लांट नहीं हो पाती है, जिसका खामियाजा मरीज को भुगतना पड़ता है। लेकिन शहर में इंटर अस्पताल किडनी स्वैप ट्रांसप्लांट से दो मरीजों को नया जीवन मिल पाया है। इसमें दो महिलाओं ने किडनी देकर एक-दूजे का सुहाग बचाया है। ऐसी सफलता दो अलग-अलग अस्पतालों के डॉक्टरों की पहल से मिली। नेफ्रोलाजिस्ट डॉ. संदीप सक्सेना और डॉ. नेहा अग्रवाल ने बताया कि अस्पताल में 31 वर्षीय मरीज का ब्लड ग्रुप उनकी पत्नी से मैच नहीं हो रहा था।

मां की उम्र अधिक होने से डोरनर नहीं बनाया

डोनर के रूप में पहले उनकी मां सामने आई परंतु उनकी उम्र अधिक होने के कारण उन्हें डोनर नहीं बनाया जा सकता था। इसके बाद उनकी पत्नी का ब्लड ग्रुप मैच नहीं हो रहा था। ऐसे में दोनों महिलाओं ने एक-दूसरे के पति को किडनी दी। डॉक्टरों का दावा है कि इंटर अस्पताल किडनी स्वैप ट्रांसप्लांट प्रदेश में पहली बार हुआ है।

मरीज का ब्लड ग्रुप ए पॉजिटिव है, जबकि उनकी पत्नी का बी पॉजिटिव है। वहीं एक अन्य अस्पताल में 47 वर्षीय मरीज लंबे समय से बीमारी है, उनकी दोनों किडनियां खराब हो चुकी थीं।

सोटो से ली अनुमति

डॉ. अग्रवाल ने बताया कि ट्रांसप्लांट के लिए सोटो (स्टेट आर्गन एंड टिशु ट्रांसप्लांट आर्गनाइजेशन) से मंजूरी लेनी होती है। हमने रिपोर्ट और दस्तावेज सोटो के हेड डॉ. संजय दीक्षित के सामने प्रस्तुत किए। जांच करने के बाद हमें ट्रांसप्लांट की मंजूरी दी। शर्त थी कि दोनों अस्पतालों में एक साथ एक ही समय पर दोनों ट्रांसप्लांट शुरू करने होंगे, ताकि बाद में किसी तरह की परेशानी या विवाद न हो। हमने कोऑर्डिनेशन करते हुए एक ही समय पर सफलतापूर्वक यह ट्रांसप्लांट किया गया।

जीएसटी अधीक्षक 15 हजार की रिश्वत मामले में गिरफ्तार, इंदौर के कारोबारी ने की सीबीआई को शिकायत

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इनपुट टैक्स क्रेडिट जारी करने के बदले इंदौर के कारोबारी से 15 हजार की रिश्वत मांगने वाले सेंट्रल जीएसटी अधीक्षक केपी राजन को सीबीआई भोपाल ने गिरफ्तार किया है। उनके खिलाफ लगातार भ्रष्टचार की शिकायतें अफसरों को मिल रही थी। इंदौर के राऊ निवासी सीताराम चौधरी ने सीबीआई को राजन की लिखित शिकायत की थी। उनकी पत्नी के नाम पर इंदौर में मशीनरी फर्म है। उन्हें राजन द्वारा लगातार परेशान किया जा रहा था और इनपुट टैक्स क्रेडिट जारी नहीं की जा रही

थी। इसके बदले रिश्वत मांगी जा रही थी। इसके सबूत भी चौधरी ने शिकायत के साथ सौंपे थे। सीबीआई ने एक्शन लेने से पहले राजन के खिलाफ सबूत जुटाए। इसके बाद उन्हें गिरफ्तार किया गया। इस मामले में सीबीआई ने प्रेसनोट भी जारी किया और केस दर्ज होने की जानकारी भी दी। राजन इंदौर के कार्यालय में पदस्थ है।

ताजपुर स्टेशन पर इलेक्ट्रानिक इंटरलाकिंग प्रणाली इंस्टॉल, इसे अपनाने वाला देश का पहला स्टेशन

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

रतलाम रेल मंडल का ताजपुर रेलवे स्टेशन इलेक्ट्रानिक इंटरलाकिंग प्रणाली लागू करने वाला देश का पहला स्टेशन बना है। इस प्रणाली का इस्तेमाल स्टेशनों पर ट्रेनों की सुरक्षित आवाजाही, सिग्नल, स्नीच, क्रासिंग गेट नियंत्रित करने के लिए हो सकेगा। इसके लिए स्टेशन पर 132 केवी का ट्रांसफार्मर भी लगाया गया है।

भारतीय रेलवे अब ट्रेनों के संचालन के लिए आधुनिक तकनीक को भी अपना रहा है। रतलाम मंडल के ताजपुर रेलवे स्टेशन पर अत्याधुनिक इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग प्रणाली को इंस्टॉल किया गया है। इस

प्रकार की नई प्रणाली को इंस्टॉल करने वाला रतलाम मंडल भारतीय रेलवे में पहला स्टेशन बना है। इसके लिए रतलाम मंडल पर ओएचई(ओवर हेड इक्यूपमेंट) की क्षमता बढ़ाने के लिए नागदा-खाचरौद खंड में ट्रांसफार्मर स्थापित किया है। इसकी टेस्टिंग जारी है। इससे मालगाड़ियों की ढुलाई क्षमता बढ़ेगी। वोल्टेज (50 केवी) के दोगुना होने और बेहतर वोल्टेज मिलने से बिजली की खपत भी कम होगा। नए ट्रांसफार्मर की विद्युत सप्लाई से नई प्रणाली से निर्बाध ट्रेनों के संचालन में मदद मिलेगी और मानवीय गलतियों की संभावना काफी कम होगी। इलेक्ट्रानिक इंटरलाकिंग प्रणाली में तब तक ट्रेन को आगे बढ़ने का सिग्नल नहीं देता, तब तक कि लाइन साफ न हो।

एमपी में सीबीआई की बड़ी कार्रवाई से मचा हड़कंप, सीजीएसटी सुपरिटेंडेंट गिरफ्तार

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

मध्यप्रदेश के इंदौर में उइक ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक बड़े अफसर को गिरफ्तार किया है। केंद्रीय जांच ब्यूरो (उइक) ने सीजीएसटी के सुपरिटेंडेंट केपी रंजन को रिश्वत के गंभीर आरोप में गिरफ्तार किया है। सुपरिटेंडेंट पर जीएसटी इनपुट टैक्स क्रेडिट अनब्लॉक करने के बदले शिकायतकर्ता से घूस मांगने का आरोप है। जिसकी शिकायत सीबीआई को मिली थी और अब सीबीआई की टीम ने शिकायत पर एक्शन लिया।

सीबीआई को शिकायत मिली

थी कि सीजीएसटी के सुपरिटेंडेंट केपी रंजन जीएसटी इनपुट टैक्स क्रेडिट अनब्लॉक करने के बदले एक व्यक्ति से 15 हजार रुपए की रिश्वत मांग रहे हैं। व्यक्ति ने इस बात की शिकायत सीबीआई से की और सीबीआई ने शिकायत के आधार पर जाल बिछाकर सीजीएसटी सुपरिटेंडेंट को 15 हजार की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी के बाद उइक ने उनके आवास और कार्यालय पर छापेमारी की। जहां से कई महत्वपूर्ण दस्तावेज बरामद होने की संभावना है। सीजीएसटी सुपरिटेंडेंट केपी रंजन की गिरफ्तारी की खबर बाहर आने के बाद विभाग में हड़कंप मच गया है। सीबीआई की आठ सदस्यीय टीम इंदौर पहुंची थी जिसने इस कार्रवाई को बड़े ही गोपनीय तरीके से अंजाम दिया। बताया गया है कि अब सीबीआई सीजीएसटी सुपरिटेंडेंट केपी रंजन से जुड़े दूसरे मामलों की जांच में जुटी हुई है अंदेशा है कि कुछ और मामलों गड़बड़ी सामने आ सकती है।

मप्र की पहली बॉडी बिल्डर वंदना ठाकुर बनीं इंदौर स्वच्छता मिशन की ब्रांड एम्बेसडर

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर नगर निगम ने अपने स्वच्छता मिशन को और अधिक प्रभावशाली बनाने के उद्देश्य से मध्य प्रदेश की पहली महिला बॉडीबिल्डर वंदना ठाकुर को ब्रांड एम्बेसडर नियुक्त किया है। वंदना ने कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर अपनी मेहनत और लगन से भारत का नाम रोशन किया है। उन्होंने हाल ही में इंडोनेशिया के बाटम में आयोजित एशियन बॉडी-बिल्डिंग चैंपियनशिप 2024 में सिल्वर मेडल जीतकर सभी प्रदेश व देशवासियों को गौरवान्वित होने का अवसर दिया। यही नहीं उन्होंने एशियन बॉडी-बिल्डिंग में सिल्वर और राष्ट्रीय बॉडी-बिल्डिंग स्पर्धा में भी दो बार कांस्य और दो बार

रजत पदक जीतकर अपनी काबिलियत का परिचय दिया है।

सफाई हम सबकी जिम्मेदारी

वंदना ठाकुर ने कहा कि स्वच्छता की इस प्रेरक यात्रा का हिस्सा बनना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। स्वच्छता केवल सफाई कर्मियों की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि यह हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है। मैं सभी इंदौरवासियों से अपील करती हूं कि अपने शहर को साफ-सुथरा बनाए रखने में अपना योगदान दें। अगर हम सब मिलकर प्रयास करेंगे, तो हमारा इंदौर न केवल स्वच्छता में नंबर 1 बना रहेगा, बल्कि पूरे देश के लिए एक मिसाल बनेगा।

मिलकर स्वच्छता मॉडल को करेंगे मजबूत

इंदौर नगर निगम आयुक्त, शिवम वर्मा ने कहा कि वंदना ठाकुर ने न केवल खेल के क्षेत्र में बल्कि समाज में महिला सशक्तिकरण की दृष्टि से एक रोल मॉडल के रूप में अपनी पहचान बनाई है। इंदौर के स्वच्छता मिशन से उनका जुड़ाव, समस्त शहरवासियों के लिए प्रेरणा है। हम साथ मिलकर इंदौर के स्वच्छता मॉडल को और मजबूती प्रदान करेंगे। गौरतलब है कि स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 के परिणामों में भी इंदौर अव्वल रहा है। इंदौर को सातवीं बार देश के सबसे साफ शहर का खिताब मिला है। सीएम मोहन यादव ने दिल्ली में आयोजित स्वच्छता सर्वेक्षण कार्यक्रम में यह अवॉर्ड प्राप्त किया था। स्वच्छता के प्रयासों में शहर के मेयर पुष्यमित्र भार्गव समेत सभी निगम कर्मियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। साथ ही शहरवासियों की जनभागीदारी ने भी मिशन को सशक्त बनाया है।

इंदौर के प्रखर राष्ट्रीय सलाहकार समिति में शामिल, सूची में मध्य प्रदेश से एक ही युवा का नाम

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

युवा एवं खेल मंत्रालय द्वारा जारी की गई 15 सदस्यीय राष्ट्रीय सलाहकार समिति में इंदौर से प्रखर दवे को भी शामिल किया है। मध्य प्रदेश से इस समिति में शामिल होने वाले वे अकेले युवा हैं। हाल ही में प्रखर भारत द्वारा ब्रिक्स यूथ समिट में रूस भेजे गए प्रतिनिधिमंडल में भी सदस्य थे।

खेल एवं युवा मंत्रालय द्वारा 15 लोगों की सूची जारी हुई है। इसमें इंदौर के प्रखर के नाम की घोषणा की गई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने भाषण व मन की बात कार्यक्रम में भी मेरा युवा भारत योजना का बार-बार जिक्र करते हैं। यह उनके ड्रीम प्रोजेक्ट के रूप में देखा जाता है। ऐसे में इस समिति की अहमियत और भी बढ़ जाती है। यह समिति विभिन्न विभागों के कार्यक्रमों का विचार-विमर्श और समीक्षा एवं युवा मंत्रालय को युवा विकास और सशक्तिकरण के लिए नई नीतियों, तकनीकों, योजनाओं आदि पर परामर्श देने के साथ माय भारत की गतिविधियों का प्रभावी रूप से क्रियान्वयन करने में मदद करेगी। समिति में शामिल प्रखर इंदौर में कई सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम में अहम भूमिका में रहते हैं। प्रखर दवे अपने कॉलेज के समय से सामाजिक एवं राजनीतिक पारिवारिक पृष्ठभूमि होने के कारण अलग-अलग गतिविधियों के माध्यम से समाज में कार्य कर रहे हैं।

न्यूज ब्रीफ

हम होंगे कामयाब अभियान अंतर्गत विधिक जागरूकता कार्यशाला का हुआ आयोजन

सेंधवा (निर्मला वर्मा)। जेंडर आधारित हिंसा की रोकथाम के लिए प्रशासन हम होंगे कामयाब जागरूकता अभियान चला रहा है। यह अभियान 25 नवंबर से 10 दिसंबर तक चलेगा। हम होंगे कामयाब पखवाड़ा अभियान 16 दिनों तक चलेगा। परियोजना अधिकारी महिला एवं बाल विकास पाटी श्री प्रकाश रंगशाही ने बताया कि अभियान के दौरान जेंडर संवेदनशीलता और जेंडर आधारित मुद्दों पर जागरुकता बढ़ाने के लिए समुदाय, विशेषकर पुरुषों, युवाओं के साथ ही किशोरों, बच्चों के पालकों, महिलाओं को जोड़ा जायेगा। विकासखंड पाटी के शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मे कक्षा 9वी से 12वी के लगभग 200 बालिकाओं को महिला अधिकारों, शी बॉक्स एवं विधिक जागरूकता से संबंधित जानकारी दी गई। जन साहस संस्था एवं यूनिसेफ ममता द्वारा भी कार्यशाला मे अपना व्याख्यान दिया गया। इसका माध्यमों से प्रचार-प्रसार किया जा रहा हैं। विशेषकर सोशल मीडिया के माध्यम से जेंडर आधारित हिंसा उन्मूलन, वन स्टॉप सेंटर, महिला हेल्पलाइन नंबर 181, 1098, ईआरएस 112 और शी-बॉक्स पोर्टल के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए हैश गतिविधि आयोजित हो रही हैं। साथ ही ऑडियो विजुअल क्रिएटिव विकसित करके वन स्टॉप सेंटर, महिला हेल्पलाइन नंबर 181 तथा घरेलू हिंसा बाल विवाह जैसे अधिनियमों पर कानूनी जागरूकता हेतु सोशल मीडिया पर ट्वीट, इन्फोग्राफिक्स जैसी गतिविधियां की जा रही हैं। अभियान के अंतर्गत जागरूकता बढ़ाने के लिए कार्यशालाएं, सेमिनार एवं विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जाएंगे। कार्यशाला मे पुलिस विभाग के अधिकारी, यूनिसेफ से श्री शैलेश बैरागी, जन साहस संस्था से श्री रविंद्र खड़े सहित शाला शिक्षक उपस्थित थे।

कलेक्टर ने किया जिले में चायनीज मांझा का निर्माण, उपयोग एवं विक्रय प्रतिबंधित

सेंधवा (निर्मला वर्मा)। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी डॉ. राहुल फटिंग ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के अंतर्गत जन सामान्य के हित को दृष्टिगत रखते हुए बड़वानी जिले की सम्पूर्ण राजस्व सीमा में चायनीज मांझा का निर्माण, उपयोग एवं विक्रय को प्रतिबंधित किया है। इस आदेश का उल्लंघन करने वालो के विरूद्ध भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 एवं अन्य प्रावधानों के तहत अभियोजन संस्थित किया जायेगा। उल्लेखनीय है कि आगामी जनवरी माह में मकर संक्रांति पर्व पर जन समुदाय द्वारा बड़ी संख्या में पतंगे उड़ाई जाती है। कुछ पतंग निमार्ताओं द्वारा चायनीज मांझा का उपयोग किया जाता है। चायनीज मांझा से कोई अप्रिय स्थिति निर्मित न हो, इसे दृष्टिगत रखते हुए बड़वानी जिले की सम्पूर्ण राजस्व सीमा में चायनीज मांझा का निर्माण, उपयोग एवं विक्रय को जिला दण्डाधिकारी द्वारा प्रतिबंधित किया गया है। उक्त प्रतिबंध आदेश होने से दो माह तक प्रभावशील रहेगा।

एमपी में मॉल में शॉपिंग करने पर टीआई सस्पेंड

मुरैना। मध्यप्रदेश के एक टीआई को मॉल में शॉपिंग करना महंगा पड़ गया और उन्हें सस्पेंड कर दिया गया। मामला मुरैना का है जहां के रिठौरा थाना टीआई जितेन्द्र दोहरे को सस्पेंड किए जाने का मामला चचाओं का विषय बन गया है। टीआई जितेन्द्र दोहरे को मुरैना एसपी समीर सौरभ ने सस्पेंड किया है। सस्पेंड करने की वजह सस्पेंड करने की वजह लापरवाही व घोर अनुशासनहीनता बताई गई है। पूरा मामला कुछ इस तरह है कि मुरैना जिले के रिठौरा थाने के टीआई जितेन्द्र दोहरे मंगलवार को परिवार के साथ ग्वालियर के एक शॉपिंग मॉल शॉपिंग कर रहे थे। शॉपिंग करते वक्त ही मुरैना एसपी समीर सौरभ से उनका सामना हो गया। एसपी को सामने देख टीआई जितेन्द्र ने तुरंत एसपी को सैल्यूट किया। हालांकि उस समय तो एसपी ने टीआई जितेन्द्र से कुछ नहीं कहा लेकिन बाद में टीआई जितेन्द्र का सस्पेंशन ऑर्डर एसपी समीर सौरभ ने जारी कर दिया। जिसमें टीआई के थाना छोड़ने से पहले किसी वरिष्ठ अफसर या एसपी से अनुमति नहीं लेने को अनुशासनहीनता माना गया है।

तेज रफ्तार कार आ गई रॉन्ग साइड, बाइक सवार अनियंत्रित होकर नाली में जा घुसे

शहडोल। एक तेज रफ़्तार कार चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए बाइक सवारों को ठोकर मार दी। इससे वह नाली में जा गिरे। बाइक सवार दोनों व्यक्तियों को चोट आई है। घटना मंगलवार शाम करीब पांच बजे के आसपास थाना धनपुरी से महज पांच सौ मीटर दूरी पर धनपुरी-बुढार मुख्य मार्ग पर हुई। सड़क में गलत साइड से आ रहे कार चालक की ठोकर से दो अलग-अलग बाइक सवार हादसे का शिकार हो गए। जानकारी के अनुसार सफेद रंग की कार धनपुरी से बुढार की ओर आ रही थी, जबकि मोटरसाइकिल क्रमांक एमपी 65 एमए 7634 में सवार दो व्यक्ति बुढार से धनपुरी की ओर जा रहे थे। इसी दौरान नरगड़ा बैरियर के आगे कार अनियंत्रित होकर गलत साइड आ गई और तभी सामने से आ रहे दो बाइक सवारों को कार से ठोकर लग गई। इनमें से एक बाइक में सवार दोनों व्यक्ति गाड़ी से गिरते ही नाली में जा गिरे। वहीं पीछे आ रही एक अन्य बाइक सवार को भी हल्की चोट आई है। नाली में गिरे दोनों व्यक्तियों को लोगों ने बाहर निकाला। घटना की जानकारी लगने के बाद पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। इसके बाद कार चालक को थाने ले जाया गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार धनपुरी से बुढार की और आ रही कार के चालक से अचानक गाड़ी बहकी और गलत साइड आ गई। तभी सामने से आ रहे दो बाइक सवारों को गाड़ी से जोरदार ठोकर लगी। इससे वह बगल में मौजूद नाली में जा गिरे।

एनएसयूआई के नर्सिंग काउंसिल में प्रदर्शन का दिखा असर लेखापाल और डिप्टी रजिस्ट्रार शुक्ला को हटाया गया

भोपाल ■

नर्सिंग काउंसिल के डिप्टी रजिस्ट्रार चंद्रप्रकाश शुक्ला द्वारा रजिस्ट्रार की अनुपस्थिति में छात्रों के रजिस्ट्रेशन दस्तावेजों पर हस्ताक्षर किए जाने का मामला गरमाता जा रहा है। गुरुवार को एनएसयूआई ने मध्यप्रदेश नर्सिंग काउंसिल कार्यालय में प्रदर्शन करते हुए लेखापाल राहुल सक्सेना और डिप्टी रजिस्ट्रार चंद्रप्रकाश शुक्ला के खिलाफ गंभीर आरोप लगाए। एनएसयूआई प्रदेश उपाध्यक्ष रवि परमार ने डिप्टी रजिस्ट्रार और लेखापाल के निलंबन और निष्पक्ष जांच समिति गठित करने की मांग उठाई। जिससे के बाद शाम को प्रशासन बैकफुट पर आ गया। नर्सिंग काउंसिल ने एनएसयूआई की चेतावनी के बाद बड़ा कदम उठाते हुए शाम को लेखापाल राहुल सक्सेना और डिप्टी रजिस्ट्रार चंद्रप्रकाश शुक्ला को काउंसिल

से हटा दिया है।

एक सप्ताह पहले पीसए से की थी शिकायत

डिप्टी रजिस्ट्रार की अनियमितताओं को लेकर एनएसयूआई ने एक हफ्ते पहले प्रमुख सचिव से शिकायत की थी। शिकायत में बताया गया था कि डिप्टी रजिस्ट्रार चंद्रप्रकाश शुक्ला ने रजिस्ट्रार की अनुपस्थिति में छात्रों के रजिस्ट्रेशन दस्तावेजों पर अनधिकृत हस्ताक्षर किए, जो नियमों का घोर उल्लंघन है। संगठन ने इसे छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ और प्रशासनिक प्रक्रियाओं में भारी लापरवाही करार दिया।

लेखापाल राहुल सक्सेना के खिलाफ गंभीर आरोप

राहुल सक्सेना पर वित्तीय अनियमितताओं और 2018 में महिला कर्मचारी की शिकायत पर दर्ज धारा 354(क) और 506 जैसे आपराधिक प्रकरण का हवाला देते हुए एनएसयूआई ने कहा कि उनके काउंसिल में पदस्थापन से संस्थान की साख पर प्रश्नचिह्न लग गया है। मध्यप्रदेश नर्सिंग काउंसिल में व्याप्त भ्रष्टाचार और अनियमितताओं के खिलाफ एनएसयूआई द्वारा किए गए प्रदर्शन के बाद प्रशासन बैकफुट पर है। नर्सिंग काउंसिल ने एनएसयूआई की चेतावनी के बाद बड़ा कदम उठाते हुए शाम को लेखापाल राहुल सक्सेना और डिप्टी रजिस्ट्रार चंद्रप्रकाश शुक्ला को पद से हटा दिया है। एनएसयूआई प्रदेश उपाध्यक्ष रवि परमार ने इसे छात्रों की जीत बताते हुए कहा है कि नर्सिंग घोटाले के विरुद्ध आंदोलन जारी रहेगा। रवि परमार ने कहा है कि हमारी मांगों और प्रदर्शन ने यह साबित किया है कि छात्रों और युवाओं की आवाज में ताकत है। राहुल सक्सेना और चंद्रप्रकाश शुक्ला को हटाना एक महत्वपूर्ण कदम है, लेकिन हमारी लड़ाई तब तक खत्म नहीं होगी, जब इनके विरुद्ध जांच कमेटी गठित नहीं होगी। प्रशासन को ईमानदारी और पारदर्शिता के साथ काम करना होगा।

आगे की रणनीति और आंदोलन

1. राज्यव्यापी प्रदर्शनः एनएसयूआई जल्द ही राज्य के अन्य जिलों में आंदोलन तेज करेगा।
2. धरना और रैलीः भोपाल में चरणबद्ध धरने और रैलियों का आयोजन किया जाएगा।
3. मुख्यमंत्री से मुलाकातः संगठन इस मामले को मुख्यमंत्री तक ले जाएगा।
4. जनजागरण अभियानः छात्रों और अभिभावकों को आंदोलन में जोड़कर काउंसिल में व्याप्त भ्रष्टाचार के खिलाफ जागरूकता अभियान चलाया जाएगा।

एनएसयूआई की मांगें

1. चंद्रप्रकाश शुक्ला और सक्सेना के खिलाफ जांच कमेटी का गठन।
2. नर्सिंग काउंसिल में सभी अनियमितताओं की स्वतंत्र जांच।
3. दोषियों के खिलाफ सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई।
4. काउंसिल की प्रक्रियाओं में सुधार और पारदर्शिता सुनिश्चित करना।

180 एकड़ पर बन रहा भव्य तीर्थंकरों का मंदिर देशभर में होगा खास, अजब है नक्कासी

कटनी ■

शहर से चंद किलोमीटर दूर ग्राम पंचायत कैलवारा खुर्द के समीप झुरही टोला में जैन समाज का भव्य तार्थक्षेत्र तैयार हो रहा है। गौशाला के बाद यहां पर मंदिर विश्वभर के लिए आकर्षण का केंद्र होंगे। जैन समाज द्वारा 180 एकड़ भूमि पर एक विशाल और भव्य तीर्थ का निर्माण किया जा रहा है, जिसे चेतनोदय तीर्थ नाम दिया गया है। यह तीर्थ आने वाले समय में पूरे देश में अपनी अलग पहचान बनाएगा।

यह परियोजना संत शिरोमणि आचार्य गुरुवर विद्यासागर महाराज के आशीर्वाद और निर्यापक श्रवण मुनि सुधा सागर महाराज की प्रेरणा से शुरू हुई। वर्ष 2012 में कटनी नगर आगमन के दौरान सुधा सागर महाराज ने गौशाला परिसर का निरीक्षण करते हुए इस स्थान पर भव्य तीर्थ बनाने की इच्छा प्रकट की थी। गौशाला की भूमि कन्हैया लाल, गिरधारी लाल जैन

औषधालय ट्रस्ट के अधीन थी। गुरुदेव की भावनाओं का सम्मान करते हुए ट्रस्टियों ने इस भूमि को क्षेत्र निर्माण के लिए समर्पित कर दिया।

निर्माण कार्य की प्रमुख विशेषताएं

समोशरण मंदिर: 100 बाइ 100 फीट के प्लेटफार्म पर 81 फीट ऊंचे इस मंदिर का निर्माण हो रहा है, इसे तीर्थंकरों के समोशरण की भावना को ध्यान में रखकर तैयार किया जा रहा है।

नंदीश्वर जिनालयः 75 बाइ 75 फीट परिधि में 101 फीट ऊंचे इस 1008 नंदीश्वर जिनालय में 52 जिनालय और 52 जिनबिम्ब प्रतिमाएं प्रतिष्ठित की जाएंगी।

मुख्य मंदिरः 75 बाइ 100 फीट के प्लेटफॉर्म पर 111 फीट ऊंचा मंदिर तैयार किया गया है।

अन्य संरचनाएं: संत निवास, आहार शाला, धर्मशाला और आयुर्वेदिक संस्थान का निर्माण भी तीर्थ का हिस्सा है। हथकरघा और अन्य मानवसेवी योजनाएं भी यहां संचालित की जाएंगी। इस परियोजना में समाज के वरिष्ठ कार्यकताओं, जैसे संतोष कुमार मालगुजार, प्रमोद कुमार, मगन जैन, प्रमोद जैन, अन्य की महत्वपूर्ण भूमिका है। पंचायत महासभा के अध्यक्ष संजय जैन, डॉ. संदीप जैन, विनी जैन पीयूष ने भी निर्माण में योगदान दिया।

अंतिम चरण में निर्माण

मंदिरों और अन्य संरचनाओं का निर्माण कार्य अपने अंतिम चरण में है। इस तीर्थ के पूर्ण होने पर यह न केवल जैन समाज के लिए बल्कि पूरे देश के लिए एक आदर्श तीर्थ स्थल बन जाएगा। यह परियोजना आध्यात्मिकता के साथ-साथ जनकल्याण की भावना का प्रतीक है। मकरानी राजस्थान के मुख्य कारीगर फैज मोहम्मद के नेतृत्व में शमोशरण मंदिर का भव्य निर्माण 12 कारीगरों द्वारा किया जा रहा है। 5 माह से काम चल रहा है।

कोतवाली व बरही पुलिस ने जब्त किया 29 लाख का 192 किलोग्राम गांजा

कटनी ■

कोतवाली व बरही पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। दोनों थानों की पुलिस ने अलग-अलग कार्रवाई करते हुए 191.322 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा जब्त किया है। जब्त किए गए गांजा की बाजार में अनुमानित कीमता 28 लाख 74 हजार 330 रुपए आंकी गई है। महिला तस्करों पर पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुए जेल भेज दिया है। इसका खुलासा बुधवार को पीसी के माध्यम से पुलिस अधीक्षक अभिजीत रंजन ने किया। इस दौरान एएसपी संतोष डेहरिया, सीएसपी ख्याति मिश्रा, एसडीओपी विजयराघवगढ़ केपी सिंह मौजूद रहे।

एसपी ने बताया कि कोतवाली टीआई आशीष शर्मा व उनकी टीम ने

रात तीन बजे रात्रि गश्त के दौरान रेलवे स्टेशन कटनी जंक्शन के प्लेटफॉर्म क्रमांक-5 की तरफ संदिग्ध अवस्था में बैठी दो महिलाओं के सामान की तलाशी ली। तलाशी क दौरान दिललगी पारधी पति मेसलाल पारधी (27) व आशियाना पारधी पति विशाल पारधी (24) दोनों निवासी ग्राम बूढ़ा ललितपुर थाना रीठी के पास से 17 लाख 86 हजार 230 रुपए कीमती 1 क्विंटल 18.82 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा जब्त किया है। पुलिस महिलाओं का आपराधिक रिकॉर्ड खंगाल रही है।

पुलिस लाइन में चोरों ने की नाइट गस्त, पांच मकानों के तोड़े ताले

कटनी ■

शहर की सडकों व कालोनियों में पुलिसकर्मियों को नाइट गस्त करते देखा जाता है लेकिन सोमवार-मंगलवार की दरम्यिानी रात पुलिस लाइन झिंझरी में चोर नाइट गस्त पर निकले। एक-एक कर पांच पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों के सूने आवासों का ताला तोड़ा और जेवर सहित नकद ले उड़े। दो पुलिस जवानों के आवास के बाहर खड़े दोपहिया वाहन भी चोर अपने साथ ले गए। बेखौफ चोरों ने वारदात को अंजाम देकर पुलिस की सक्रियता व सुरक्षा व्यवस्था को कठघरे में खड़ा कर दिया है।

जानकारी के अनुसार माधवनगर थाना क्षेत्र की झिंझरी चौकी अंतर्गत पुलिस लाइन स्थित है। यहां बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों के आवास है। बीती रात यहां अज्ञात चोरों ने एक-एक वारदात को अंजाम दिया। चोरों ने जिले में पदस्थ रह चुकी निरीक्षक अर्चना जाट, निरीक्षक मधु पटेल सहित सहित पुलिसकर्मी गौरव गिरी, अजीत सिंह व सतीश सिंह के घर का ताला तोड़ा और रात के अंधेरे में लाखों के जेवर सहित नकद पार कर दिए। चोरी की सूचना पाकर माधवनगर थाना प्रभारी अनूपसिंह ठाकुर, चौकी प्रभारी प्रियंका राजपूत फिंगरप्रिंट एक्सपर्ट व डॉग स्क्वाड के साथ घटनास्थल पहुंचे। मौके पर आवासों की जांच की गई और साक्ष्य जुटाने का प्रयास किया गया। हालांकि पुलिस को अबतक चोरों के संबंध में पुख्ता सुराग नहीं मिला है। पुलिस कालोनी में आवास को सुरक्षित मानकर ड्यूटी पर तैनात जवानों को आधी रात में चोरी का पता चला तो उनके होश उड़ गए।

रतलाम पुलिस की अवैध मादक पदार्थ के विरुद्ध कार्रवाई जारी, 60 किलो 600 ग्राम डोडाचूरा सहित कार जप्त

रतलाम ■

पुलिस अधीक्षक रतलाम श्री अमित कुमार(भा.पु.से.) व्दारा अवैध मादक पदार्थ की तस्करी के विरुद्ध कार्यवाही कर अंकुश लगाने हेतु सभी थानो को निर्देशित किया गया है । जिसके अंन्तर्गत पुलिस अधीक्षक रतलाम श्री अमित कुमार(भा.पु.से.) के निर्देशन मे अति.पुलिस अधीक्षक रतलाम श्री राकेश खाखा व नगर पुलिस अधीक्षक जावरा श्री दुर्गेश आर्मो के मार्गदर्शन मे थाना औ. क्षैत्र. जावरा के थाना प्रभारी निरी. मुनेन्द्र गौतम के नेतृत्व में टीम गठित की गयी थी।

गठित टीम को मुखबिर सूचना मिली कि ग्रे कलर की स्विफ्ट कार क्र GJ 27 TD 7444 मामटखेडा से मुंडली की ओर जाने वाले कच्चे रास्ते पर खडी है उक्त कार मे अवैध मादक पदार्थ डोडाचुरा के कट्टे भरे हुए है

कार लावारीस हालत मे खडी है जिसके आस पास कोई व्यक्ति नही है। जो सूचना पर तत्काल टीम रवाना कर मुखबीर बताये स्थान पर पहुची तो रास्ते के नीचे गहरे गड्ढे में ग्रे (कार्बन) कलर की स्विफ्ट कार क्र.GJ 27 TD 7444 खड़ी दिखाई दी। जिसके पीछे का बम्पर व नंबर प्लेट नही थी कार के आगे GJ 27 ळऊ7444 नंबर की प्लेट लगी थी। जिसके कांच व फाटके बंद थी। जिसकी तलाशी लेते कार मे 60 किलो 600 ग्राम अवैध मादक पदार्थ डोडाचुरा किमती 1,20,000 रुपये व ग्रे (कार्बन) कलर की स्विफ्ट कार क्र.GJ 27 TD 7444 कीमती करीबन 500000 रुपये मिली। जिसे मौके पर जप्ती की कार्यवाही कर आरोपी की तलाश की जा रही है तथा थाना औ.क्षैत्र.जावरा पर अपराध क्रमांक 711/27.11.24 धारा 8/15 एन,डी.पी.एस एक्ट का पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया । विवेचना के दौरान आरोपी की तलाश व अवैध मादक पदार्थ के स्त्रोत एवं अन्य आरोपियों के सम्बन्ध मे तलाश की जा रही है।

जप्तशुदा मश्रुका

60 किलो 600 ग्राम अवैध मादक पदार्थ डोडाचुरा किमती 1,20,000 रुपये व ग्रे (कार्बन) कलर की स्विफ्ट कार क्र.GJ 27 TD 7444 कीमती करीबन 500000 रुपये

सरहानीयभूमिकाः- थाना प्रभारी निरीक्षक मुनेन्द्र गौतम,उनि राकेश मेहरा,सउनि जसराज चन्देल,प्र.आर. 52 संजय आंजना, प्रआर 658 हर्षवर्धनसिह , प्र आ? 786 विष्णु चन्द्रावत, आर 252 मनोहर गायरी , आर 666 विनोद माली ,आरक्षक 517 दीपराजसिंह, आर 1046 हरदीप म.आर 1128 कौशल्या धनगर, आर 672 शादाब बैग , आर 455 चेतन राठोर,आर 134 योगेश, आर 206 शक्तिसिंह,थाना औद्योगिक क्षैत्र जावरा

बाबा बागेश्वर की यात्रा में लाखों लोगों का सैलाब, संतों सहित नेताओं का साथ

छतरपुर ■

सनातन हिंदू एकता पदयात्रा बागेश्वर धाम से रामराजा सरकार की नगरी ओरछा तक चल रही है, जिसका आठवां पड़ाव ओरछा तिराहा रहा। पंडित धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री के नेतृत्व में यह यात्रा हिंदुत्व के लिए जात-पात और भेदभाव मिटाने का संदेश दे रही है। इसमें देशभर के संत, समाजसेवी और राजनीतिक लोग शामिल हो रहे हैं।

बागेश्वर धाम से रामराजा सरकार की नगरी ओरछा तक करीब 160 किलोमीटर की सनातन हिन्दू एकता पदयात्रा लगातार आगे बढ़ रही है। आठवें दिन यह यात्रा ओरछा तिराहे पर ठहरी। बागेश्वर धाम के पीठधीश्वर पंडित धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री ने सभी पैदल चल रहे यात्रियों का उत्साह बढ़ाया। पदयात्रा में देश के जाने-माने संतों के साथ-साथ राजनीति से जुड़े लोग भी शामिल हो रहे हैं। जानकारी के मुताबिक गुरुवार को सनातन हिंदू एकता पदयात्रा रोज की तरह राष्ट्रगान और हनुमान चलीसा से शुरू हुई। निवाड़ी से यात्रा शुरू होकर शाम करीब 4 बजे बरुआसागर पहुंची,

लव जिहाद से निपटना है तो एक हो जाओ

महाराजश्री लगातार लोगों से पूछते हैं कि क्या भारत को बांग्लादेश बनाने की तैयारी है, या फिर यहां भी अल्पसंख्यक बनने वाली लाइन में खड़ा होना है। लव जिहाद और लैंड जिहाद के चक्कर से बाहर निकलना है तो सब एकजुट हो जाओ। पदयात्रा में वामन पीठाधीश्वर वैदेही वल्लभशरण दास महाराज, मध्यप्रदेश पूर्व गृहमंत्री डॉ नरोत्तम मिश्रा, राजस्थान के हवा महल विधायक बालमुकुंद आचार्य, सागर विधायक शैलेन्द्र जैन, मंदसौर जिले के सुवासरा विधायक हरदीप सिंह डंग, श्री रामराज संकल्पना ट्रस्ट के मुख्य संरक्षक व राष्ट्रीय हिंद वाहिनी संगठन अयोध्या धाम के राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेशचंद द्विवेदी राजू, राष्ट्रीय महामंत्री नवीनचंद शुक्ला, राष्ट्रीय मंत्री शरद नामदेव, राकेश तिवारी, कमलेश नामदेव, एडवोकेट संजय प्रताप सिंह, मनीष गुप्ता, आकाश कनौजिया, विकास कनौजिया सहित राष्ट्रीय हिंदू वाहनी संगठन व श्रीराम राज्य संकल्पना ट्रस्ट के कार्यकर्ता शामिल हुए।

जहां लोगों के साथ समरसता भोज था। सभी समाजों के साथ बैठकर महाराजश्री ने भोजन प्रसाद ग्रहण किया। सभी समाजों के साथ सौहार्दपूर्वक भोजन करने के बाद यात्रा विश्राम स्थल के लिए रवाना हुई। ओरछा तिराहे पर देर शाम यात्रा पहुंची, जहां महाराजश्री ने कहा कि बिना सड़क पर निकले लोगों को एकजुट नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि जिस तरह से अन्य मजहबों में कई जातियां होने के बावजूद जब धर्म की बात आती है तो सभी एकजुट हो जाते हैं। ठीक उसी तरह हमें भी अपने धर्म के लिए आपसी भेद-भाव, जात-पात, छुआ-छूत यह सब भूलना पड़ेगा। श्रीधाम वृंदावन से आए मलूकपीठाधीश्वर पूज्य राजेन्द्रदास महाराज ने यात्रा में शामिल होते हुए कहा कि यह अनूठा कार्य प्रारंभ हुआ है। हर प्रदेश में इस तरह की यात्राएं निकलनी चाहिए ताकि हर प्रदेश का हिंदू संगठित हो।

उठ जाग सनातनी भोर हुईः मनोज तिवारी

दिल्ली के सांसद मनोज तिवारी ने यात्रा में शामिल होकर कहा कि वह परम सौभाग्यशाली हैं जो इस यात्रा में शामिल होने का मौका मिला है। उन्होंने कहा कि महाराजश्री ने जो अलख जगाई है उससे सनातनी अब जाग उठा है। श्री तिवारी ने एक गीत की तर्ज पर अपना गीत सुनाते हुए कहा कि उठ जाग सनातनी भोर हुई, अब रैन कहां जो सोवत है। उन्होंने कहा कि अब सोने का वक्त नहीं है, हमें अपने सनातन की रक्षा के लिए जागना होगा। उत्तरप्रदेश के कुंडा से विधायक रघुराज प्रताप सिंह राजा भैया ने गुरुवार को यात्रा में शामिल होकर महाराजश्री का आशीर्वाद लिया। उन्होंने कहा कि यह हम सबका परम सौभाग्य है कि सनातनियों को जगाने के लिए महाराजश्री ने जो संकल्प लिया है, हम भी उस यज्ञ की एक आहुति बन रहे हैं। उन्होंने कहा कि विश्व के कई देशों में धीरे-धीरे हिंदुओं की आबादी घट रही है। बांग्लादेश में जिस तरह से हिंदुओं के साथ अमानवीय कृत्य हो रहा है उससे हम सभी को सबक लेना चाहिए।

चोर निकले ज्यादा चौकन्ने, पुलिस लाइन चोरी में 24 घंटे बाद पुलिस के हाथ खाली, इधर फिर हुई घटना

कटनी ■

चोर पुलिस से ज्यादा चौकन्ने व बलशाली हैं। पुलिस लाइन में पांच क्वार्टरों में हुई चोरी की घटना के बाद से कहना अतिश्योक्ति नहीं होगी, क्योंकि पुलिस को खुली चुनौती देते हुए बदमाशों ने वारदात को अंजाम दिया और पुलिस अफसरों के दावों की पोल खोलकर रख दी है। दूसरी ओर बड़ी घटना होने के 24 घंटे से अधिक का वक्त बीत जाने के बाद पुलिस के हाथ खाली हैं। पुलिस किसी भी मामले में कोई सुराग नहीं जुटा पाई है, सिर्फ जल्द खुलासे का दावा किया जा रहा है।

बता दें कि माधवनगर थाना क्षेत्र की झिंझरी चौकी अंतर्गत पुलिस लाइन में बीती रात अज्ञात बदमाशों ने बड़ी वारदात को अंजाम दिया। चोरों ने जिले में पदस्थ रह चुकी निरीक्षक अर्चना जाट, निरीक्षक मधु पटेल सहित सहित पुलिसकर्मी गौरव गिरी, अजीत सिंह व सतीश सिंह के घर चोरी की है। लाखों के जेवर सहित नकद पार कर दिए हैं। पुलिस के लिए बदमाशों ने एकदम खुली चुनौती दी है। दूसरी ओर कुठला थाना क्षेत्र की चोरियां भी बेनतीजा हैं। इन सबके बीच कोतवाली क्षेत्र के रेलवे कॉलोनी की घटना ने भी सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। माधवनगर पुलिस ने पुलिस लाइन में हुई चोरी के मामले में अज्ञात बदमाशों के खिलाफ एफआइआर दर्ज की है। थाना प्रभारी अनूप सिंह ने बताया कि विकास कुमार की शिकायत पर अज्ञात आरोपियों के खिलाफ पांचों चोरियों के प्रकरण में धारा 331(4), 305(ए) बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध करते हुए जांच की जा रही है।

खाद के लिए छतरपुर में मची भगदड़, लाइन में लगी महिला और पुरुष के बीच हुई झूमा झटकी

सागर ■

सोमवार की सुबह से सटई रोड गल्ला मंडी में हजारों की संख्या में किसान खाद लेने के लिए लाइन में लग गए। महिलाएं पुरुष और स्कूली बच्चे भी शामिल थे। सुबह 10 बजे गोदाम खुला तो अचानक से महिलाओं और पुरुषों में भगदड़ मच गई। इसी बीच लाइन में लगी महिला और पुरुष के बीच में झूम झटकी हो गई। घटना के बाद पुलिस आई, इसके बाद महिला और पुरुष मौके से भाग गए।

विवाद का वीडियो लोगों ने सोशल मीडिया में वायरल कर दिए। जिला प्रशासन को जानकारी लगने पर बल के साथ सिविल लाइन थाना प्रभारी बाल्मिक चौबे और एसडीएम

अखिल राठौर तहसीलदार संदीप तिवारी मौके पर पहुंचे और लोगों को शांति से खाद लेने के लिए कहा। खाद के लिए कई दिनों से लोग परेशान हैं वहीं समय पर बुवाई ना होने के कारण किसानों के खेत सूख रहे हैं जिस वजह से किसान खाद के लिए वेयरहाउस और गोदाम के चक्कर लगा रहे हैं। वहीं रविवार की देर रात खाद की रैक आने की जानकारी लगने पर हजारों की संख्या में किसान सटई रोड गल्ला मंडी में पहुंच गए और सुबह से ही भूखे प्यासे लाइन में लग गए।

एक किसान को दो बोरी के खाद

एसडीएम अखिल राठौर ने बताया कि जिले की 60 सोसाइटी में 30 -30 मीट्रिक टन खाद भेजी गई है यहां डबल लॉक पर भी एक किसान को 2 बोरी के हिसाब से खाद दिया जा रहा है अभी तक 500 टोकन बट चुके हैं सभी को खाद दिया जा रहा है। सिविल लाइन थाना प्रभारी बाल्मिक चौबे ने बताया कि इस मामले में कोई शिकायत नहीं आई है अगर कोई शिकायत करने आता है तो कार्रवाई की जाएगी। बोवनी के मौसम में खाद ने मिलने से नाराज किसानों ने लवकुशनगर के पुराने बस स्टैंड पर सुबह 8 बजे जाम लगा दिया। किसान आरोप लगा रहे थे कि खाद केन्द्रों पर कालाबाजारी हो रही है और 1800 रुपए प्रति बोरी की दर से खाद बेची जा रही है। किसान पिछले 15 दिनों से सुबह 5 बजे से खाद के लिए केन्द्रों पर पहुंच रहे थे, लेकिन खाद न मिलने पर मायूस होकर लौट रहे थे। अवधेश सिंह राजपूत ने बताया कि वे 20 किलोमीटर दूर से आए हैं, लेकिन उन्हें खाद नहीं मिली। वहीं, अरविंद यादव ने बताया कि खेतों की नमी खत्म हो रही है और बोवनी का समय निकल जाने के डर से फसल लगाने में मुश्किल हो रही है। गुस्साए एक सैकड़ा किसानों ने बस स्टैंड पर करीब एक घंटे तक जाम लगाया और जमकर नारेबाजी की।

भाजपा नेता पर चौकीदार को कार से कुचलने का आरोप, मौत

छतरपुर ■

मध्य प्रदेश के छतरपुर से बड़ा मामला सामने आया है। यहां गढ़ा मलहरा में एक भाजपा नेता मणिकांत चौरसिया पर 69 साल के चौकीदार पूरन लाल की हत्या के आरोप में गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने मृतक के परिजन की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

ये है पूरा मामला

मृतक पूरन लाल के परिजनों ने पुलिस को बताया कि वह शॉपिंग कॉम्प्लेक्स के बाहर पहरा दे रहे थे। इसी दौरान भाजपा जिला उपाध्यक्ष मणिकांत चौरसिया ने अपनी

फॉर्च्यूनर कार पूरनलाल पर चढ़ा दी और मौके से फरार हो गए। घायल चौकीदार को तत्काल जिला अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। परिजन का आरोप है कि भाजपा नेता नशे में थे और उन्होंने जानबूझकर पूरन लाल को टक्कर मारी।

कांग्रेस ने भी साधा निशाना

इस घटना को लेकर कांग्रेस ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा भाजपा की नीतियां गरीब और मजदूर वर्ग को कुचलने की हैं। यह घटना इसका स्पष्ट उदाहरण है। आरोपी भाजपा नेता मणिकांत चौरसिया ने आरोपों से इनकार करते हुए बयान जारी किया है। उन्होंने कहा मैंने किसी को नहीं मारा, क्योंकि घटना के समय मैं घर पर था। सीसीटीवी फुटेज में दिखाई देने वाली गाड़ी मेरी नहीं है। यह जांच का विषय है।

दर्ज किया केस

छतरपुर एसपी अगम कुमार जैन ने कहा पुलिस ने मणिकांत चौरसिया पर गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज कर लिया है और मामले की गहन जांच जारी है।

40 हजार देने के बाद बेटे को आंखों के सामने देखा तो पिता हो गया हैरान

मंदसौर ■

मध्यप्रदेश में लगातार डिजिटल अरेस्ट के मामले सामने आ रहे हैं। ताजा मामला मंदसौर जिले के शामगढ़ का है जहां एक 38 साल के व्यक्ति को बेटे के रेप केस में फंसने का झांसा देकर डिजिटल अरेस्ट कर साइबर ठगों ने पुलिस अधिकारी बनकर 40 हजार रूपए ठग लिए।

ठग और 1 लाख 20 हजार रुपए मांग रहे थे लेकिन व्यक्ति ने हिम्मत करके फोन काट दिया और भागते हुए बेटे के स्कूल पहुंचा जहां बेटे को आंखों के सामने देख उसकी जान में जान आई और उसे अपने साथ हुई ठगी का एहसास हुआ। पीड़ित ने ठगी की शिकायत पुलिस में दर्ज कराई है। लगातार लोगों को डिजिटल अरेस्ट व साइबर फ्रॉड के प्रति जनता को जागरूक करने का प्रयास कर रहा है और ये बता रहा है कि आपको डरना नहीं है बल्कि डटकर इन शातिर ठगों का सामना करना है। शामगढ़ में रहने वाले 38 साल के व्यक्ति ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराते हुए बताया है कि वो हलवाई का काम करते हैं और गुरुवार की दोपहर करीब 12 बजे उनके पास एक वॉट्सएप पर एक कॉल आया। सामने वाले ने पहले उसका व उसके बेटे का नाम बताया फिर कहा कि तुम्हारा बेटा व उसके दो अन्य साथियों ने एक नाबालिग से रेप किया है। पीड़िता और उसके माता-पिता थाने में बैठे हैं। ये बात सुनते ही हलवाई ने तुरंत कॉल करने के लिए कहा तो शातिर ठग ने कहा कि फोन काटा तो परेशानी हो जाएगी। बेटे को केस से बाहर निकालना है तो जुमार्ना भरना होगा और 10-15 लाख रूपए देने की बात कही। हलवाई ने रकम बहुत ज्यादा होने की बात कही तो कॉन्फ्रेंस पर किसी बड़े साहब से बात करवाई।

अब आई ट्रिपस सी से जननी सुरक्षा व 108 एम्बुलेंस के वाहनों की भी होगी मॉनीटरिंग

सागर ■

जिले में स्वास्थ्य योजनाओं की मॉनीटरिंग के लिए जिला प्रशासन ने कॉस वैरीफिकेशन की व्यवस्था बनाने पर काम शुरू कर दिया है। शुक्रवार को जिला स्वास्थ्य समिति की समीक्षा बैठक में कलेक्टर संदीप जीआर ने कहा कि गर्भवती महिलाओं की सभी जांच समय पर हों और जांच करते समय उनको आवश्यक जानकारी दें, जिससे उनका प्रसव आसान हो और इंस्टीट्यूशनल प्रसव हो।

उन्होंने कहा कि सभी स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी यह विशेष रूप से ध्यान दें कि किसी भी स्थिति में गर्भवती महिलाओं को घर से लेकर अस्पताल तक आने-जाने में किसी परेशानी का सामना

न करना पड़े। जननी सुरक्षा व 108 समय पर पहुंचे। जननी सुरक्षा व 108 एम्बुलेंस की आई ट्रिपल सी से जीपीएस सिस्टम के माध्यम से निगरानी की जाए, जिससे कि उनकी रियल टाइम मॉनीटरिंग की जा सके। इस अवसर पर जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी विवेक केवी, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. ममता तिमोरी, सिविल सर्जन डॉ. आरएस जयंत, जिला कार्यक्रम अधिकारी बृजेश त्रिपाठी, जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. एमएल जैन समेत अन्य उपस्थित रहे।

रेफरल ऑडिट भी कराएं

उन्होंने कहा कि किसी भी छोटी अस्पताल से अन्य बड़ी अस्पताल में रेफरल करने का ऑडिट किया जाए, जिससे वास्तविक स्थिति का अध्ययन किया जा सके। सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से लेकर जिला चिकित्सालय तक में सभी आवश्यक संसाधन उपलब्ध हों। आवश्यकता पडने पर संसाधन उपलब्धता व वितरण व्यवस्था को पुनः रिवाइज किया जाए। उन्होंने कहा कि औद्योगिक क्षेत्रों में कार्यरत कर्मचारियों की टीबी की जांच कराई जाए और यदि कोई लक्षण मिलते हैं तो तत्काल उनका स्वास्थ्य परीक्षण कर इलाज शुरू करें। पोर्टेबल मशीनों की व्यवस्था करेंबैठक में कलेक्टर ने कहा कि जहां पर भी सोनोग्राफी व एक्स-रे की व्यवस्था नहीं है, वहां पोर्टेबल सोनोग्राफी व एक्स-रे मशीन की व्यवस्था की जाए और इसके लिए विधिवत समय सारणी तैयार की जाए।

उत्तरी हवाओं से एमपी में रात और दिन में बढ़ रही ठंड, 2 दिन में दो लोगों की गई जान

भोपाल ■

उत्तरी हवाओं से मध्यप्रदेश में रात के साथ दिन में भी ठंड बढ़ने लगी है। खासकर पूर्वी हिस्से में दिन का तापमान 4.5 डिग्री सेल्सियस तक लुढ़क गया है। वहीं मौसम विभाग का कहना है कि 29 नवंबर शुक्रवार से प्रदेश में और ठंड बढ़ेगी। वही दिसंबर माह में प्रदेश में शीत लहर चलेगी और न्यूनतम तापमान में अधिकतम गिरावट आएगी। इधर प्रदेश दो दिन के भीतर ठंड से दो लोगों की जान चली गई है। गुरुवार सुबह डिंडौरी बस स्टैंड पर अधेड़ की ठंड से मौत हो गई। उसकी पहचान नहीं हो पाई है। इससे पहले बुधवार को बैतूल में एक शॉपिंग कॉम्प्लेक्स के सो रहे युवक की मौत हो गई थी।

पचमढ़ी से भी ठंडा रहा मंडला

मध्य प्रदेश एकमात्र हिल स्टेशन पचमढ़ी की तरह दूसरे शहरों में भी ठंड पड़ने लगी है गुरुवार की रात मंडला पूरे प्रदेश में सबसे ठंडा रहा। यहां रात का तापमान 6.5 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया। हिल स्टेशन पचमढ़ी में रात का तापमान 7.2 डिग्री, टीकमगढ़ में 7.5 डिग्री, नौगांव में 8.6 डिग्री, मलाजखंड में 9.3 डिग्री और रीवा में 9.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। भोपाल 10.2 डिग्री, इंदौर में 13.2 डिग्री, ग्वालियर में 10.9 डिग्री, उज्जैन में 12.2 डिग्री और जबलपुर में 9 डिग्री सेल्सियस रहा। दरअसल भोपाल में 6 दिन के बाद पारा 10 डिग्री के ऊपर पहुंचा। इससे पहले की छह रातों में पारा 8.8 डिग्री से 9.8 डिग्री के बीच रहा था।

28 साल की भाभी को घर में अकेला पाकर, देवर ने किया गंदा काम

भोपाल ■

मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल से रिश्तों को शर्मसार करने वाला मामला सामने आया है। जहां देवर ने भाभी को घर में अकेला पाकर उसके साथ दुष्कर्म की घटना को अंजाम दे दिया। साथ ही पति को जान से मारने की धमकी भी दी। इसके बाद पर महिला पर शारीरिक संबंध बनाने का दवाब बनाया गया तो उसमें पुलिस में शिकायत दर्ज करा दी।

दरअसल, यह पूरा मामला छोला मंदिर इलाके का बताया जा रहा है। जहां 28 वर्षीय महिला का पति प्राइवेट नौकरी करता है। वह सुबह 9

बजे से लेकर शाम 7 बजे तक ऑफिस में रहता है। तभी 20 नवंबर को रिश्ते में आने वाले देवर ने मौके को परखा और पति के जाते ही घर में घुस गया और दरवाजे को अंदर लॉक कर दिया। इसके बाद भाभी के साथ जबरदस्ती शारीरिक संबंध बनाए।

धमकी के डर से चुप रही महिला

युवक ने महिला के साथ जबरन दुष्कर्म किया और धमकी दी कि अगर उसने किसी को इस घटना के बारे में बताया तो वह उसके पति को जान से मार देगा। धमकी से डरकर महिला ने ये बात किसी को नहीं बताई, लेकिन आरोपी ने महिला की चुप्पी का फायदा उठाते हुए उस पर शारीरिक संबंध बनाने का दबाव बनाना शुरू कर दिया। जिससे परेशान होकर महिला ने पूरी घटना उसके पति को बता दी। उसके बाद थाने में जाकर शिकायत भी दर्ज करवा दी। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

कौन बनेगा करोड़पति की हॉट सीट पर पहुंचीं कोतमा की सोनाली

अनूपपुर ■

कोतमा की बेटी सोनाली सिंह, जो वर्तमान में यूपीएससी की तैयारी कर रही हैं, 29 नवंबर को देश के लोकप्रिय टीवी कार्यक्रम 'कौन बनेगा करोड़पति' के हॉट सीट पर नजर आएंगी। सोनाली की इस सफलता से पूरे नगर और जिले में गर्व का माहौल है। कोतमा के गोविंद कॉलोनी निवासी राम सिंह की बेटी सोनाली ने अपने ज्ञान और मेहनत से इस मंच तक पहुंचने का अवसर प्राप्त किया। सोनाली ने अपनी सफलता का श्रेय जनरल नॉलेज की किताबों, परिवार और कोचिंग सेंटर के सहयोग को दिया।

सोनाली ने बी टेक की पढ़ाई पुणे से की है और एम ए इंग्लिश दिल्ली विश्वविद्यालय से किया है। यूपीएससी की तैयारी के दौरान सोनाली का सामान्य ज्ञान पर मजबूत पकड़ बनी, जिससे उन्हें 'कौन बनेगा करोड़पति' में भाग लेने का अवसर मिला। उन्होंने कार्यक्रम के प्रसारण से पहले इस बारे में कोई जानकारी नहीं दी कि उन्हें वहां से कितनी राशि मिली।

11 हजार की रिश्वत लेते रंगे हाथों धराया पंचायत सचिव, मांगी थी घूस

सागर ■

सागर लोकायुक्त पुलिस ने ग्राम पंचायत बिहरना के सचिव हरिराम कुशवाहा को 11 हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। मामला ग्राम पंचायत के सरपंच द्वारा कचरा डंप शेड निर्माण के बिल की राशि निकालने से जुड़ा था। फरियादी रनवीर राय ने शिकायत दर्ज कराई कि सचिव ने 16 हजार रुपये की घूस की मांग की थी, जिसे बाद में 11 हजार रुपये में तय किया गया।

शिकायत मिलने के बाद लोकायुक्त पुलिस ने जांच की और इसे सही पाया। जांच के बाद पुलिस ने

गुरुवार को एक योजनाबद्ध कार्रवाई करते हुए आरोपी सचिव हरिराम कुशवाहा को जनपद पंचायत कार्यालय बीना के बाहर रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया। पुलिस ने उसके पास से 11 हजार रुपये की रिश्वत की राशि बरामद की। लोकायुक्त टीम ने आरोपी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है और आगे की जांच जारी है। यह कार्रवाई सागर लोकायुक्त पुलिस की सक्रियता का उदाहरण है, जिसने भ्रष्टाचार के खिलाफ मुहिम जारी रखी है।

देह तो मल मूत्र का घर है...

देह अर्थात शरीर की पवित्रता ओर अपवित्रता पर बहस छिड़ी थी जिसमें पंडित जी एक आयोजन में मंच से कह रहे थे की वे सात जन्मों से पंडित है इसलिए यहाँ व्यास गद्दी पर विराजमान है ओर सबके श्रेष्ठ होने से पूज्य है। गाँव का बिहारी 90 साल का कभी स्कूल नहीं गया वह भी कथा सुन रहा था ओर खुदकों

आत्माराम यादव
लेखक
ग्लोबल हेराल्ड

अपवित्र बताए जाने की बात का चिंतन कर रहा था। वह सारा जीवन खेती किसानी ओर गाय भैंस पालकर ओर उनके चारा काटकर लाने ओर नित गोशाला से गोबर गौमूत्र साफ करते सोचा करता इससे शायद वह पवित्र हो गया होगा, पर पंडित जी की बात से उसे ठेस लगी की वह इस जन्म में पवित्र नहीं जबकि पंडित जी ज्ञानी ध्यानी 7 जन्मों से पवित्र है। बुजुर्ग बिहारी उसके प्रश्नों का समाधान चाहता था, सो कथा के बाद जब पंडित जी कुछ विशेष लोगों के बीच पहुंचे तब उन्होने कथा आयोजन स्थल के यजमानों से चर्चा शुरू की। बस बिहारी को चर्चा करने का मौका मिल गया, आज पंडित जी व्यास गद्दी से उतरकर पंडाल में लोगों के बीच बैठ गए, सभी ने बुजुर्ग बिहारी का सम्मान किया ओर खेती किसानी के सवाल दागने लगे।

बिहारी ने अपने आत्मबोध से प्रश्न किया पंडित जी बताइए क्या यह शरीर मल मूत्र ओर विष्ठा से भरा नहीं है ओर इस कारण यह स्नान के बाद भी अपवित्र है, क्या आपका शरीर मल मूत्र से रिक्त है जो आप पवित्र ओर हम अपवित्र हो गए? उनका कहना की इंसान की देह 4 मुखों से ग्रहण कर आठ केंद्र से उत्सर्जित करती है अर्थात मल-मूत्रादि त्यागती है, मुझे देह के इस रहस्योद्घाटन पर लिखने का अवसर मिल गया। मनुष्य जो भी अन्नादि को कच्चे अथवा पके रूप में भोजन पकाकर ग्रहण करता है तब वह उसके शरीर में दो भागों में विभक्त हो जाता है, एक भाग समूह एकत्रित हो अलग हो जाता है तो दूसरा उस समूह में रस रूप में परिवर्तित हो जाता है। एक भाग समूह किट्ट मल के रूप में बारह प्रकार के मल में विभक्त हो शरीर से निकलता है। रस देह में फैलता है, जिससे यह देह रस से पुष्ट होता है। कान, नेत्र, नासिका, जिह्वा, दाँत, लिंग, गुदा, नख ये मलाश्रय है जिनसे कफ, पसीना, विष्ठा और मूत्र ये मल हैं, जो सभी मिलाकर बारह कहे गये हैं। पंडित जी को इस गंवार अपढ़ बूढ़े का सबाल उलझन में डाल देगा उन्होने सोचा नहीं था, वे बोले मैंने कर्मों की बात की है, कर्म से पवित्रता, तभी बूढ़े बिहारी ने बात काटी शरीर के कर्म से आप मुक्त है ओर मलमूत्र विष्ठा नहीं त्यागते, अगर मुक्त हो तो देवों के स्थान पर हो ओर रोज शरीर की शुद्धि हेतु मलमूत्र त्यागते हो तो आपका शरीर भी इनसे भरा होने से पवित्र कैसे हुआ, आप भी अपवित्र हुये। बुजुर्ग बिहारी यही नहीं रुका ओर पंडित का बोले दुनिया की कोई भी पवित्र सुगंधित अत्यंत सुंदर मनोहारी मिठाई, अन्न-फल या पकवान ग्रहण करे या पवित्र पंचगव्य एवं हव्य आदि शरीर में जाने के बाद वह सभी क्षणभर में अपवित्र हो जाती है, तो आपके पवित्र होने का दावा कैसे स्वीकार किया जाए? पंडित जी निरुत्तर होकर बाद मे सत्संग में चर्चा करने की कहकर चलते बने। एक छोटे से गाँव का बुजुर्ग अपढ़ रहकर संतो की बात करे, ऋषि मुनियों के ज्ञान को विस्तारित कर प्रश्न करे की सुगंधित पवित्र अन्नपान शरीर में जाने के बाद प्रतिदिन दुर्गंधित मलमूत्र ओर विष्ठा के रूप मे बाहर निकले तो यह देह शुद्ध कैसे हो सकती है ? कोई एक उच्च कुल में होने पर खुद को पवित्र ओर दूसरों को अपवित्र समझे यह अज्ञानता है। पहले शरीर को शुद्ध ओर साफ किए जाने हेतु मिट्टी का प्रयोग होता था, बर्तनों की तरह शरीर भी माँजा जाकर निर्मल नहीं हो पाता था ओर इसके बाबजुद शरीर से कफ,मूत्र, विष्ठा, आदि निकलता रहता

था ओर आज भी निकल रहा है भले शरीर को माँजने धोने के तरीके आधुनिक हो गए ओर ब्यूटीपार्लरों ओर ब्यूटीशियन का कारोबार चल पड़ा हो लेकिन फिर भी ब्यूटी होकर कोई कैसे शुद्ध ओर पवित्र रह सकता है, यह प्रश्न सभी के मस्तिष्क में होता है ओर एक विचार चलता रहता है की मनुष्य ही नही हर प्राणी अपने शरीर में विष्ठा-मूत्रकी थैली रखता है इसलिए वह सब प्रकार की अपवित्रता के निधानरूप इस शरीर का कोई एक भी स्थान पवित्र नहीं कह सकता है। आज अपने देह के स्रोतों से मल निकालकर जल और रसायनिक खुशबूदार विभिन्न एक से एक सामग्रीयों के उत्पाद के दावे किए विज्ञापन से आकर्षित किया जाता है कि हम लाये है आपके लिए एक नया हर्बल साबुन, जिससे आपको मिले मुलायम और निखरी त्वचा, इसमें कोई भी हानिकारक केमिकल्स नहीं है, हल्दी चंदन के प्राकृतिक गुणों से भरपूर जो आपकी सुंदरता में निखार लाये ,खुशबू की बहार लाये , त्वचा में उज्जवल निखार लाये चाँद सा चमकाए,त्वचा की प्राकृतिक सौंदर्यता के लिए इस्तेमाल करे ..। यह देह कि शुद्धता कि प्रामाणिकता नहीं बल्कि अंधेरे में दौड़ रही इस पीढ़ी को गुमराह करने कि बात है जो विज्ञापन अर्थात 'विशिष्ट सूचना' को भावनात्मक शब्दों में उलझाकर इस शरीर को स्वच्छ के स्थान पर रोगो का उपहार दे रहे है। यह देह प्राकृतिक रूप से ही शुद्ध होती है ओर इन विज्ञापित वस्तुओं से सर्वथा अशुद्धिपूर्ण होने से पवित्र नहीं रहती ओर अगर यत्नपूर्वक उत्तम गन्ध, धूप आदिसे भलीभाँति सुसंस्कृत भी यह शरीर शुद्ध किया जाए तो यह शुद्ध नही होता ओर कुत्ते की पूँछ की तरह अपना स्वभाव नहीं छोड़ता है। या यूं समझिए जिस प्रकार स्वभाव से काली वस्तु अनेक उपाय करने पर भी उज्ज्वल नहीं हो सकती, उसी प्रकार यह काया भी भलीभाँति शुद्ध करने पर भी निर्मल नहीं हो सकती है तथा हर व्यक्ति मल मूत्र त्यागते समय दुर्गन्ध को सूँघता हुआ, अपने मल को देखता हुआ तथा अपनी नाक को दबाता हुआ भी यह संसार इस से विरक्त नहीं होता है। सभी प्रकृति- स्वभाव के हर व्यक्ति के शरीर में यह दोष होता है जिससे वे अपने शरीर कि दुर्गंध से विरक्त नहीं होते है। इस जगत में सभी का शरीर अपवित्र है; क्योंकि उसके मलिन अवयवों के स्पर्श से पवित्र वस्तु भी अपवित्र हो जाती है। केवल इस के गंध के लेप को दूर करने के लिये देहशुद्धि की विधि अपनाकर गंध तथा लेप के दूर हो जाने से शुद्ध हो जाती है, इसलिए शुद्ध पदार्थ के स्पर्श होने से शरीर शुद्ध होता है। सभी प्रकार के कर्मों में, भावशुद्धि को महान् शौच कहा गया है; क्यों कि कमनीय कमसिन का आलिंगन अन्य भाव से किया जाता है और पुत्री का आलिंगन अन्य भाव से किया जाता है। अभिन्न अर्थात् समान रूप वाली वस्तुओं में भी मन के भेद के कारण भाव भेद हो जाता है जिसमें पत्नी अपने पति में अन्य भाव रखती है और पुत्र के प्रति अन्य भाव रखती है। यदि चित्र में काम, क्रोध और लोभ- इन तीनों की चिन्ता विद्यमान रहे, तो अनेक प्रकार के अन्नादि तथा स्वादिष्ट भोज्य पदार्थ को कोई भी व्यक्ति रुचिपूर्वक नहीं खा सकता है। स्पष्ट है कि भावना करने से व्यक्ति बंधन में पड़ता है ओर भाव न आने से वह इससे मुक्त रहता है भावसे शुद्ध आत्मावाला ही स्वर्ग और मोक्ष प्राप्त करता है। एकमात्र भाव से शुद्ध आत्मावाला जलता हुआ, होम करता हुआ तथा स्तुति करता हुआ यदि मर भी जाय तो उसे शीघ्रता से ज्ञानप्राप्तिके पश्चात् उच्च देवलोक प्राप्त होते हैं। ज्ञानरूपी निर्मल जल से और वैराग्यरूपी मिट्टी से मनुष्यों को अविद्यारूपी मल-मूत्र के लेप की दुर्गन्ध दूर हो जाती है। यह शरीर तो स्वभाव से ही अपवित्र कहा गया है। जिसमें केवल त्वचा ही सार होती है, जो बुद्धिमान पुरुष देह को इस प्रकार का दोषयुक्त जानकर विरक्त हो जाता है, वह शरीर के भोगों से उत्पन्न होने वाले भाव से निर्मल बुद्धि से युक्त हो जाता है। बुढ़ापे से - ग्रस्त हुआ मनुष्य असमर्थता के कारण पुत्री, पुत्र, २ भाई-बन्धु तथा कठोर स्वभाव वाले भृत्यों से तिरस्कृत किया जाता है। बुढ़ापे से ग्रस्त हुआ मनुष्य धर्म, अर्थ, काम तथा मोक्ष की सिद्ध करने में असमर्थ रहता है, अतः यौवनावस्था में ही उसे धर्माचरण कर लेना चाहिए, ताकि मल मूत्र के देहरूपी घर के जर्जर होने से उत्पन्न रोगों से वह मुक्त हो सके ,यह बुजुर्ग बिहारी के अनुसार अनेक संहिता ओर शिव महापुराण में भी उल्लेखित बताया है।

सम्पादकीय

रिश्तों का व्याकरण बदल चूका है

रिश्तों का व्याकरण बदल चूका है। प्रस्तावना से सारांश तक रिश्ते बदलते जा रहे हैं। बिखर चुके खून के रिश्तों का विश्लेषण करना होगा रिश्तों की इस तबाही को रोकना होगा। नैतिक मूल्यों का क्षरण रोकना होगा। भटक चुके मानव को नैतिक मूल्यों का पाठ पढ़ाना चाहिए ताकि एक स्वस्थ समाज बन सके खूनी रिश्तों में बढ़ता संक्रमण और नैतिक मूल्यों में गिरावट एक त्रासदी। नैतिक मूल्यों का व खूनी रिश्तों का आस्तित्व खत्म होता जा रहा है,नैतिक मूल्यों में गिरावट एक त्रासदी है समय रहते इस त्रासदी को रोकना होगा समाज को मंथन करना होगा तभी नैतिक मूल्यों की गिरावट रुक सकती है। अक्सर देखा गया है की नई पीढ़ी नैतिक मूल्यों को भूलती जा रही है। नैतिक मूल्यों का ह्रास बहुत ही चिंतनीय है बुद्धिजीवी वर्ग को समय रहते मनन करना होगा वरना बहुत देर हो जाएगी। आधुनिक मानव स्वार्थी होता जा रहा है खून के रिश्तों को तोड़ रहा है और गैरों को अपना बना रहा है। रिश्तों की बुनियाद हिलती जा रही है और जर्जर हो चुकी है दीवार का एक पत्थर भी निकल जाये तो दीवार कभी भी ढह सकती है और रिश्ते दफन हो सकते हैं। रिश्तों की दशा अब दुर्दशा में बदलती जा रही है' मानव निजी हितों के लिए अनैतिक आचरण कर रहा है' यह बहुत ही घातक है। जर,जोरु,जमीन के लिए रिश्तों का खून बहाया जा रहा है परिवार के परिवार खत्म हो रहे हैं जमीन के टुकड़े के लिए एक दूसरे के प्यासे हो चुके हैं। भाईचारा खत्म होता जा रहा नफरत के बीज बोये जा रहे हैं रिश्तों की दीवारें दरक रही हैं और नफरत की दीवारें खड़ी होती जा रही हैं। रिश्तों में असुरक्षा की भावना बढ़ती जा रही है असंतोष पनपता जा रहा है रिश्तों में गहरी खाइयाँ होती जा रही हैं' विश्वास टूट रहे हैं अविश्वास बढ़ता जा रहा है। रिश्तों की मिठास खत्म हो रही है रिश्तों में कड़वाहट बढ़ती जा रही है। रिश्तों के बंधन टूट रहे हैं खून के रिश्तों में गांठे पड़ती जा रही हैं। नैतिक मूल्य नष्ट होते जा रहे हैं। रिश्तों की माला बिखर रही है माला के मनके इधर उधर बिखर रहे हैं। खूनी रिश्ते गुमशुदा व गुमनाम होने लगे हैं कुछ रिश्ते लापता हो चुके हैं लापता होचुके रिश्तों को ढूंढ़ना होगा। रिश्तों की वर्णमाला के अक्षर भी आगे पीछे हो चुके हैं। रिश्तों की इबारतें भी बदल चुकी हैं। गलतफहमी ने भी रिश्तों को तोड़ा है टूट चुके रिश्तों को जोड़ना चाहिए ताकि रिश्तों की जड़े सदैव हरी रहे अहंकार के कारण रिश्ते बिखर रहे हैं। माया के मोहजाल में फंस चूका मानव आज भटक चूका है माया में अंधा हो चूका है पथभ्रर्ष्ट हो चूका है संवेदना,करुणा,मानवता नाम की कोई चीज नहीं है एक दूसरे को नीचे गिराने के लिए अनैतिक कार्य कर रहे हैं। रिश्ते असुरक्षित होते जा रहे हैं डरावने होते जा रहे हैं भय का वातावरण बन चूका है। रिश्तों के सिद्धांत बदलते जा रहे हैं परिभाषा बदल चुकी है रिश्ते भतलबपरस्त होते जा रहे हैं। नेकी व भलाई व अच्छाई खत्म होती जा रही है और बुराई का बोलबाला बढ़ता जा रहा है। रिश्तों में ग्रहण लग गया है एक दूसरे का अच्छा नहीं देख सकते। ईर्ष्या पनप रही है नतीजन सगे रिश्तों के सुख दुःख में शामिल नहीं होते केवल मात्र औपचारिकता निभाई जा रही है। चंद स्वार्थ के लिए रिश्ते टूट रहे हैं। रिश्तों की मशाल बुझती जा रही है। रिश्तों में बिखराव बड़े पैमाने पर बढ़ता जा रहा है। रिश्ते अर्थहीन होते जा रहे हैं। रिश्तों का स्वरूप बिगड़ चूका है। समाज को इस पर समीक्षा करनी होगी। रिश्तों में बढ़ती दूरियों को पाटना होगा एक सेतु बनाना होगा बिखर चुके रिश्तों को समेटना होगा ताकि रिश्तों की मशाल निर्बाध रूप से जलती रहे। बिखर चुके रिश्तों को संग्रहीत करना होगा नफरत के बीजों को नष्ट करना होगा। अपवित्र हो चुके रिश्तों को गंगाजल से पवित्र करना होगा' खानाबदोशों की तरह बिखर चुके व भटक चुके रिश्तों को इकठा करना होगा। रिश्तों में विश्वास लाना होगा ताकि विश्वास बरकरार रहे। रिश्तों भटक चुके मानव को नैतिक मूल्यों का पाठ पढ़ाना चाहिए ताकि एक स्वस्थ समाज बन सके। मानवीय मूल्यों को बचाना होगा। आधुनिक मानव माया के लालच में रिश्ते नाते भूलता जा रहा है मोबाइल पर व्यस्तता बहुत बढ़ गई है किसी से कोई मतलब नहीं है मोबाइल ही सच्चा साथी बन गया है मोबाइल ने रिश्तों में दूरियां पैदा कर दी हैं' मानव की संवेदनायें मृतप्राय हो चुकी हैं और मानव संवेदनहीन हो चूका है,कौन जी रहा कौन मर रहा है कोई सरोकार नहीं है। यह बहुत ही त्रासदी है चौबीस घंटे इंटरनेट की दुनिया में मस्त है चौबीस घंटे भी कम होने लगे है। दिन रात आभासी दुनिया में अनावश्यक ही व्यस्त रहता है। व्यस्तता इतनी बढ़ गई है कि माँ बाप के साथ बात तक करने को समय नहीं है। एक समय था कि आदमी एक दूसरे के दुःख सुख में शामिल होता था लेकिन आज किसी के पास एक मिनट का भी समय नहीं है। रिश्ते नाते खत्म होते है रहे हैं रिश्तों का कत्लेआम किया जा रहा है चंद स्वार्थ के लिए रिश्ते तोड़े जा रहे हैं। समाज में भाई चारा खत्म होता जा रहा है एक दूसरे को नीचा दिखाने कि होड़ लगी है। सोशल मीडिया पर हर समय व्यस्त रहते हैं। आज गरीब रिस्तेदार व भाई से नफरत की जाती है' आभासी दुनिया तक ही सीमित हो चुके है। यह पतन कि पराकाष्ठा है। सर्वेदना की परिभाषा बदल चुकी हैं और लोग संवेदनहीन होते जा रहे हैं।

नरेंद्र भारती
लेखक
ग्लोबल हेराल्ड

जलवायु परिवर्तन के खतरों से बच्चों को बचाएं...

- ललित गर्ग - | लेखक

हाल ही में प्रस्तुत हुई यूनिसेफ की रिपोर्ट द फ्यूचर ऑफ चिल्ड्रेन इन चेंजिंग वर्ल्ड ने भारत में बच्चों के भविष्य को लेकर उत्पन्न चुनौतियों, त्रासद स्थितियों एवं भयावह भविष्य को उजागर किया है। इस रिपोर्ट में जिक्र किया गया है कि साल 2050 तक भारत में 35 करोड़ बच्चे जनसांख्यिकीय बदलावों, जलवायु संकट, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और तकनीकी बदलावों की चुनौतियों का सामना कर रहे होंगे। उस समय जन्म लेने वाले बच्चों को जन्म के बाद जीवन में जलवायु परिवर्तन के संकटों से जुझना होगा, भीषण लू, गरमी, बाढ़, तूफान, चक्रावात और अनेक जलवायु जनित बीमारियों से सामना करना होगा। वायु प्रदूषण की विभीषिका, गहराते जल संकट, सिमटते प्राकृतिक संसाधन, जलवायु परिवर्तन व रोजगार की विसंगतियों के बीच आने वाली पीढ़ी के बच्चों का जीवन निस्संदेह संघर्षपूर्ण, चुनौतीपूर्ण एवं संकटपूर्ण होगा। वर्ष 2021 में बच्चों के जलवायु जोखिम सूचकांक में भारत कुल 163 देशों की सूची में 26वें स्थान पर था। ऐसे में भारत में बच्चों को अधिक गर्मी, बाढ़ और वायु प्रदूषण से गंभीर जोखिम का सामना करना पड़ता है। खासकर ग्रामीण और कम आय वाले समुदायों में यह संख्या ज्यादा है। लेकिन रिपोर्ट बताती है कि 2050 में बच्चों को 2000 के दशक की तुलना में लगभग आठ गुना ज्यादा गर्मी झेलनी पड़ सकती है। जाहिर है, जलवायु संकट बच्चों के स्वास्थ्य, शिक्षा, चिकित्सा तथा पानी जैसे आवश्यक संसाधनों तक उनकी पहुंच पर प्रतिकूल असर डाल सकता है।

ग्लोबल हेराल्ड

चिंता की बात यह है कि इन तमाम विसंगतियों, विषमताओं व नेतृत्व की अदूरदर्शिता के बीच बच्चों के भविष्य पर मंडरा रहे खतरों के लिये संवेदनशीलता के साथ सावधान एवं सतर्क होने एवं उचित-प्रभावी कार्ययोजना बनाने की जरूरत है। इसी तरह, गहरे डिजिटल विभाजन के बीच एआई यानी कृत्रिम बुद्धिमत्ता बच्चों के लिए अच्छी और बुरी, दोनों हो सकती है। एक ताजा आंकड़ा बताता है कि उच्च आय वाले देशों में 95 फीसदी आबादी इंटरनेट से जुड़ी है, तो निम्न आय वाले देशों में सिर्फ 26 प्रतिशत लोगों की इंटरनेट तक पहुंच है। भारत में वर्तमान में इंटरनेट की व्यापकता ने बच्चों के जीवन में अनेक संकट खड़े किये हैं। यूनिसेफ ने इस डिजिटल डिवाइड को पाटने और बच्चों तक नयी प्रौद्योगिकियों की सुरक्षित एवं समान पहुंच सुनिश्चित करने के लिए समावेशी प्रौद्योगिकी पहल की वकालत की है। बच्चे चूंकि हमारा भविष्य हैं, इसलिए बच्चों और उनके अधिकारों को सरकारी नीतियों-रणनीतियों के केंद्र में रखना समृद्ध और टिकाऊ भविष्य के निर्माण एवं संतुलित-आदर्श समाज-व्यवस्था के लिए आवश्यक है। अक्सर यह सवाल विमर्श में होता है कि धरती के प्रति गैर-जिम्मेदार व्यवहार के चलते हम कैसा देश आने वाली पीढ़ियों के लिये छोड़कर जाएंगे। आने वाले पच्चीस वर्षों में बच्चों पर लू का 8 गुणा, बाढ़ का 3 गुणा एवं जंगली आग का दोगुणा खतरा होगा। यही वजह है कि संयुक्त राष्ट्र बाल कोष यानी यूनिसेफ ने बच्चों के भविष्य की तस्वीर उकेरते हुए विभिन्न चुनौतियों के मुकाबले के अनुरूप नीति निर्माण की जरूरत बतायी है। यूनिसेफ ने सदी के पांचवें दशक तक की तीन महत्वपूर्ण वैश्विक प्रवृत्तियों का खाका खींचा है। ये घटक नौनिहालों के भविष्य के जीवन को नया स्वरूप देने में अहम भूमिका निभाएंगे।

वर्ष 2050 तक देश की आधी आबादी के शहरी क्षेत्रों में रहने का अनुमान है। दरअसल, मौजूदा दौर में जिस तेजी से गांवों से शहरों की ओर पलायन बढ़ रहा है, जाहिर है ऐसी स्थिति में पहले से आबादी के बोझ तले दबी नागरिक सेवाएं चरमरा जाएंगी। ऐसे में सत्ताधीशों के लिये जरूरी होगा कि जलवायु परिवर्तन के संकट के बीच बच्चों के अनुरूप शहरी नियोजन को अपनी प्राथमिकता बनाएं और बच्चों के अनुकूल और जलवायु परिवर्तन के लिहाज से जुझारु, सुरक्षित एवं निरापद शहरी नियोजन के लिये शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल और टिकाऊ शहरी ढांचे में निवेश को प्राथमिकता दी जाये। शहर बेहतर जीवन के लिए बेहतरीन अवसर और उम्मीद दे सकते हैं। वे वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद का 80 प्रतिशत से अधिक उत्पन्न करते हैं और उन्हें तेजी से विकास हासिल करने के लिए इंजन माना जाता है। वे विकास और नवाचार, विविधता और कनेक्टिविटी के दुनिया के सबसे मजबूत स्रोतों में से हैं और संभावित रूप से बच्चों को जीने, सीखने और आगे बढ़ने के लिए बेहतरीन अवसर प्रदान कर सकते हैं। बढ़ता शहरीकरण बड़ी असमानताओं को भी जन्म दे सकते हैं। आज शहरी क्षेत्रों में रहने वाले 4 बिलियन लोगों में से लगभग एक तिहाई बच्चे हैं। यह अनुमान है कि 2050 तक, दुनिया के लगभग 70 प्रतिशत बच्चे शहरी क्षेत्रों में रहेंगे, जिनमें से कई झुग्गी-झोपड़ियों में रहेंगे। इसलिये शहर स्कूलों और अस्पतालों जैसी बुनियादी सेवाओं तक बेहतर पहुंच प्रदान कर सकते हैं, भीड़भाड़ और उच्च प्रवेश लागत के कारण सबसे गरीब शहरी बच्चे उन तक पहुंचने में असमर्थ हो सकते हैं। अन्य चुनौतियाँ जो शहरी गरीबों को प्रभावित करती हैं, विशेष रूप से झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वालों को, उनमें भीड़भाड़ और अपर्याप्त सफाई व्यवस्थाएं शामिल हैं-जो बीमारियों के फैलने में सहायक होती हैं-किफायती और सुरक्षित आवास की कमी, परिवहन की खराब पहुंच और बाहरी वायु प्रदूषण में वृद्धि आदि हैं। उल्लेखनीय है कि उस समय देश जनसांख्यिकी बदलावों की चुनौती से जूझ रहा होगा। आकलन किया जा रहा है कि इस बदलाव के चलते ही वर्तमान की तुलना में बच्चों की संख्या में करीब दस करोड़ की कमी आएगी। वर्तमान में पूरी दुनिया में एक अरब बच्चे उच्च जोखिम वाले जलवायु खतरों का मुकाबला कर रहे हैं, तो अगर सरकारें अभी से नहीं चेती तो 2050 की स्थिति का सहज आकलन किया जा सकता है। मासूम चेहरों एवं चमकती आंखों का नया बचपन भारत के भाल पर उजागर एवं कायम करने के लिये सरकारों को गंभीर होना होगा। बच्चे के जीवन के प्रारंभिक वर्षों के दौरान आधुनिक मानवतावाद और पूंजीवाद से प्रभावित होकर प्रदर्शन पर अधिक ध्यान दिया जा रहा है। इससे परिवारों और बाल देखभाल प्रदाताओं पर अनावश्यक दबाव पड़ता है। वर्तमान में मौजूद रहने के बजाय, लोग भविष्य के बारे में सोचने में अधिक से अधिक समय व्यतीत कर रहे हैं। और ज्यादातर मामलों में वे इस बारे में नहीं सोच रहे हैं कि व्यापक अर्थों में सफल जीवन कैसा हो सकता है, बल्कि इसके बजाय वे स्कूल और कार्यस्थल में सफलता के बारे में सोच रहे हैं। यह कुछ कौशलों पर बहुत अधिक जोर देता है, जबकि अन्य-जैसे रचनात्मकता, सामाजिक क्षमता, जीवनमूल्य और उत्साह-को कम महत्वपूर्ण माना जाता है क्योंकि वे अधिक उन्नत शैक्षणिक ट्रैक या अधिक प्रतिष्ठित करियर में चयन के लिए प्रासंगिक नहीं हैं। इसका परिणाम यह होता है कि बच्चों में कई प्रतिभाएँ अविकसित रह जाती हैं। अगर समाज को भविष्य की चुनौतियों का सामना करना है-चाहे वह भविष्य आखिरकार कैसा भी क्यों न हो, तो भविष्य के खतरों की आहट को सुनते हुए जागरूक होना होगा। साफ है, नीति के स्तर पर प्रदूषण एवं बदलते मौसम की मार के लिये काम करना होगा। कम से कम भविष्य या बच्चों के लिये तो ऐसा किया ही जाना चाहिए। निश्चित ही यूनिसेफ की हालिया रिपोर्ट बच्चों के भविष्य की चिंताओं पर मंथन करने तथा उसके अनुरूप नीति-नियंताओं से नीतियां बनाने का सबल आग्रह करती है। तेजी से डिजिटल होती दुनिया में डिजिटल विभाजन भी एक बड़ी चुनौती होगी। तब तक कृत्रिम बुद्धिमत्ता का प्रयोग चरम पर होगा।

धर्मनिरपेक्षता के नाम पर हमारी सांस्कृतिक प्रथाओं के लिए मारकाट कब थमेगी ?

भारत में धार्मिक स्थलों पर चल रहे विवाद, विशेष रूप से ऐतिहासिक धर्मांतरण के दावों से जुड़े विवादों ने सांप्रदायिक संवेदनशीलता को बढ़ा दिया है। वाराणसी और मथुरा में इसी तरह के मामलों ने ऐसे उदाहरण स्थापित किए हैं जो धार्मिक स्थलों की यथास्थिति को खतरे में डालने वाले सर्वेक्षणों या कानूनी कार्रवाइयों के रूप में देखे जाने पर सार्वजनिक अशांति में योगदान करते हैं। संभल की जामा मस्जिद का विवाद अयोध्या, काशी और मथुरा में चल रहे मामलों के बीच बढ़ा है। हिंदू पक्ष दावा करता है कि हरिहर मंदिर को तोड़कर जामा मस्जिद बनाई गई थी। मुस्लिम पक्ष जामा मस्जिद को लेकर हिंदू पक्ष की दावों को खारिज करता है। हालिया लड़ाई कानूनन लड़ी जा रही है, जिसमें अदालत की ओर से आए मस्जिद के सर्वे ऑर्डर पर काम हो रहा है।

संभल में दायर याचिका वाराणसी की ज्ञानवापी मस्जिद और मथुरा के शाही ईदगाह के लिए दायर याचिकाओं की तरह ही है। मुख्य मुद्दा यह है कि कानून-'पूजा स्थल अधिनियम, 1991' को कैसे समझा जाता है। संभल की ज़िला अदालत ने शाही जामा मस्जिद का सर्वेक्षण करने का आदेश एक याचिका के आधार पर दिया, जिसमें दावा किया गया था कि यह हिंदू मंदिर स्थल पर बनी है। इस आदेश के कारण स्थानीय मुस्लिम निवासियों ने विरोध प्रदर्शन किया, जिन्होंने इसे अपने धार्मिक अधिकारों और विरासत पर हमला माना। जब सर्वेक्षण का विरोध करने के लिए बड़ी भीड़ इकट्ठा हुई तो विरोध प्रदर्शन हिंसा में बदल गया। रिपोर्ट बताती हैं कि प्रदर्शनकारियों की पुलिस से झड़प हुई, जिसके परिणामस्वरूप प्रदर्शनकारियों और कानून प्रवर्तन अधिकारियों दोनों को चोटें आईं और मौतें हुईं। भारत में धार्मिक स्थलों पर चल रहे विवाद, विशेष रूप से ऐतिहासिक धर्मांतरण के दावों से जुड़े विवादों ने सांप्रदायिक संवेदनशीलता को बढ़ा दिया है। वाराणसी और मथुरा में इसी तरह के मामलों ने ऐसे उदाहरण स्थापित किए हैं जो धार्मिक स्थलों की यथास्थिति को खतरे में डालने वाले सर्वेक्षणों या कानूनी कार्रवाइयों के रूप में देखे जाने पर सार्वजनिक अशांति में योगदान करते हैं। संभल की जामा मस्जिद का विवाद अयोध्या, काशी और मथुरा में चल रहे मामलों के बीच बढ़ा है। हिंदू पक्ष दावा करता है कि हरिहर मंदिर को तोड़कर जामा मस्जिद बनाई गई थी। मुस्लिम पक्ष जामा मस्जिद को लेकर हिंदू पक्ष की दावों को खारिज करता है। हालिया लड़ाई कानूनन लड़ी जा रही है, जिसमें अदालत की ओर से आए मस्जिद के सर्वे ऑर्डर पर काम हो रहा है। संभल के सिविल जज की अदालत में विष्णु शंकर जैन की ओर से जामा मस्जिद को लेकर वाद दायर किया गया। सुप्रीम कोर्ट के वकील हरिशंकर जैन और केला देवी मंदिर के महंत ऋषिराज गिरि समेत 8 वादी हैं। वादियों ने भारत सरकार, उत्तर प्रदेश सरकार और संभल जामा मस्जिद समिति को विवाद में पार्टी बनाया है। याचिका में कहा गया-'मस्जिद मूल रूप से एक हरिहर मंदिर था, जिसे 1529 में मस्जिद में बदल दिया गया। मंदिर को मुगल सम्राट बाबर ने 1529 में ध्वस्त कराया था। बाबरनामा और आइन-ए-अकबरी किताब में इस बात का उल्लेख है कि जिस जगह पर जामा मस्जिद बनी है, वहाँ कभी हरिहर मंदिर हुआ करता था।' मुस्लिम पक्ष भी मानता है कि जामा मस्जिद बाबर ने बनवाई थी और आज तक मुसलमान इसमें नमाज पढ़ते आ रहे हैं। हालांकि मुस्लिम पक्ष कानूनी विवाद में सुप्रीम कोर्ट के 1991 के उस ऑर्डर को आधार बनाकर अपना विरोध दर्ज कराता है, जिसमें अदालत ने कहा था कि 15 अगस्त 1947 से जो भी धार्मिक स्थल जिस भी स्थिति में हैं, वह अपने स्थान पर बने रहेंगे। सुप्रीम कोर्ट ने अयोध्या पर फैसले के समय भी इस पर जोर दिया था। इसके जरिए मुस्लिम पक्ष संभल की जामा मस्जिद पर हक जताता है और हिंदू पक्ष के दावे, किसी अन्य न्यायिक कार्यवाही को कानून की अवहेलना बताया है। याचिकाकताओं के दावे के बारे में कानून क्या कहता है? याचिकाकताओं ने मस्जिद स्थल पर अपना दावा स्थापित करने के लिए एक दीवानी मुकदमा दायर किया। दीवानी मुकदमों में, प्रारंभिक दावों को आम तौर पर अंकित मूल्य (प्रथम दृष्टया) पर स्वीकार कर लिया जाता है, अगर मुकदमा विचारणीय माना जाता है तो बाद में और सबूत पेश किए जा सकते हैं। हालाँकि, कोई भी दावा जो पूजा स्थल के धार्मिक चरित्र को बदलने की कोशिश करता है, उसे पूजा स्थल अधिनियम, 1991 के तहत वर्जित किया जाता है। इस अधिनियम का उद्देश्य धार्मिक स्थलों की यथास्थिति को बनाए रखना है जैसा कि वे 15 अगस्त, 1947 को मौजूद थे। पूजा स्थल अधिनियम, 1991 क्या कहता है? अधिनियम पूजा स्थलों के किसी भी रूपांतरण पर रोक लगाता है और यह अनिवार्य करता है कि उनका धार्मिक चरित्र वैसा ही रहना चाहिए जैसा वह 15 अगस्त, 1947 को था। विशेष रूप से, धारा 3 किसी भी पूर्ण या आंशिक रूप से किसी अन्य संप्रदाय या संप्रदाय के पूजा स्थल में रूपांतरण पर रोक लगाती है। धारा 4 में कहा गया है कि उस तिथि को किसी स्थान के धार्मिक चरित्र में परिवर्तन के सम्बंध में कोई भी कानूनी कार्यवाही समाप्त (समाप्त) कर दी जाती है, जिससे ऐसे रूपांतरणों के सम्बंध में नए मुकदमे दायर नहीं किए जा सकते। उल्लेखनीय रूप से, यह अधिनियम अपने अधिनियमन के समय पहले से ही विचाराधीन विवादों पर लागू नहीं होता है, जैसे बाबरी मस्जिद-राम जन्मभूमि मामला, जिसने समकालीन विवादों में इसके आवेदन को जटिल बना दिया है।

-डॉ. सत्यवान सौरभ
लेखक
ग्लोबल हेराल्ड

रजा का खजाना

फारस के शासक साइरस अपनी प्रजा की भलाई में जुटे रहते थे। लेकिन खुद उनका जीवन सादगी से भरा था। वह रियासत की सारी आमदनी व्यापार, उद्योग और खेतीबाड़ी में लगा देते थे। इस कारण शाही खजाना हल्का रहता था। लेकिन प्रजा खुशहाल थी। एक दिन साइरस के दोस्त और पड़ोसी शासक प्रोशियस उनके यहां आए। उनका मिजाज साइरस से बिल्कुल अलग था। उन्हें प्रजा से ज्यादा अपनी खुशहाली की चिंता रहती थी।

उनका खजाना हमेशा भरा रहता था। बातों-बातों में जब प्रोशियस को साइरस के खजाने का हाल मालूम हुआ तो उन्होंने साइरस से कहा, अगर आप इसी तरह प्रजा के लिए खजाना लुटाते रहोगे तो एक दिन वह एकदम खाली हो जाएगा। आप कंगाल हो जाओगे। अगर आप भी मेरी तरह खजाना भरने लगें तो आपकी गिनती मेरी तरह सबसे धनी शासकों में होने लगेगी। साइरस मुस्कराए फिर बोले आप दो दिन ठहरिए मैं इस मामले में लोगों का इम्तिहान लेना चाहता हूं। उन्होंने घोषणा करवा दी कि एक बहुत बड़े काम के लिए साइरस को दौलत की निहायत जरूरत है। उन्हें पूरी उम्मीद है कि प्रजा मदद करेगी। दो दिन पूरा होने से पहले ही शाही महल के बाहर मोहरों, सिक्कों व जेवरों का बड़ा ढेर लग गया। यह देख प्रोशियस हैरत में पड़ गए। साइरस ने कहा, मैंने रियासत का खजाना लोगों की खुशहाली पर खर्च करके एक तरह से उन्हीं को सौंप दिया है। लोग उसमें इजाफा करते रहते हैं। मुझे जब जरूरत होगी वे मुझे लौटा देंगे जबकि तुम्हारा खजाना बांझ है, वह कोई बढ़ोतरी नहीं कर रहा है।

ग्लोबल हेराल्ड में प्रकाशित होने वाले लेख लेखकों के निजी विचार है

व्यापार

शेयर बाजार टूटा , सेंसेक्स 1,190 अंक नीचे आया, निफ्टी 360 गिरा

मुंबई ■

भारतीय शेयर बाजार में गुरुवार को भारी गिरावट दर्ज की गयी। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। इसके अलावा मासिक फ्यूचर्स एंड ऑप्शंस (एफएंडओ) एक्सपायरी के दबाव में भी बाजार टूटा है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 1,190 अंक करीब 1.48फीसदी टूटकर 79,043.74 पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स 80,447.40 के उच्च और 78,918.92 के निचले स्तर तक पहुंचा। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 50 भी 360.75 अंक तकरीबन 1.49 फीसदी नीचे आकर 23,914.15 पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान निफ्टी 24,345.75 के उच्च और 23,873.35 के निचले स्तर पर पहुंचा।

जानकारों के अनुसार बाजार में आई गिरावट का एक प्रमुख कारण रूस के यूक्रेन के ऊर्जा ढांचे पर मिसाइल और ड्रोन हमलों के कारण बढ़े तनाव और फ्यूचर्स एंड ऑप्शंस एक्सपायरी से जुड़ी बिकवाली को बताया है। आज कारोबार के दौरान निफ्टी के 46 शेयर गिरावट पर बंद हुए। सबसे ज्यादा नुकसान एसबीआई लाइफ, इंफोसिस, एचडीएफसी लाइफ, महिंद्रा एंड महिंद्रा और अदाणी पोर्ट्स के शेयरों को हुआ। इनमें 5.4 फीसदी तक गिरावट रही। वहीं, अदाणी एंटरप्राइजेज, श्रीराम फाइनेंस, एसबीआई और सिप्ला जैसे चार शेयर ही 1.63 फीसदी ऊपर आये। कारोबार के दौरान निफ्टी मिडकैप 100 और निफ्टी स्मॉलकैप100 इंडेक्स 0.05 फीसदी की हल्की बढ़त के साथ बंद हुए। वहीं आईटी सेक्टर पर सबसे ज्यादा दबाव रहा। निफ्टी आईटी इंडेक्स 2 फीसदी से ज्यादा नीचे आया जबकि निफ्टी ऑटो, फाइनेंशियल्स, प्राइवेट बैंक, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और हेल्थकेयर इंडेक्स में भी गिरावट रही। वहीं निफ्टी पीएसयू बैंक और मीडिया इंडेक्स में बढ़त आई। इससे पहले आज सुबह कारोबारी सत्र की शुरूआत में हल्की बढ़त देखी जा रही है।

सोने-चांदी की कीमतों में गिरावट

नई दिल्ली ■

सोने-चांदी के वायदा भाव में गुरुवार को गिरावट देखी जा रही है। गुरुवार को दोनों के वायदा भाव गिरावट के साथ खुले। सोने के वायदा भाव 75,450 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 86,900 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वैश्विक बाजार में सोने-चांदी की वायदा कीमतें भी कमजोर दिखाई दे रही है। सोने के वायदा भाव की शुरूआत गिरावट के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोने का बेंचमार्क दिसंबर कॉन्ट्रेक्ट 259 रुपये की गिरावट के साथ 75,501 रुपये के भाव पर खुला। इस समय यह 315 रुपये की गिरावट के साथ 75,445 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरूआत भी सुस्त रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क दिसंबर कॉन्ट्रेक्ट 681 रुपये की गिरावट के साथ 86,999 रुपये पर खुला। इस समय यह 777 रुपये की नरमी के साथ 86,903 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वैश्विक बाजार में आज सोने-चांदी के वायदा भाव में नरमी देखने को मिल रही है। कॉमेक्स पर सोना 2,636.39 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,639.90 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 11.20 डॉलर की गिरावट के साथ 2,628.70 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 30.13 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 30.11 डॉलर था। हालांकि इसके भाव बाद में खबर लिखे जाने के समय यह 0.31 डॉलर की नरमी के साथ 29.80 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

अडानी : सितारे कहते हैं- उतार-चढ़ाव का सिलसिला चलता रहेगा!

मुंबई। चर्चित कारोबारी गौतम अडानी की है की प्रचलित कुंडली कहती है कि जब-जब बारहवें भाव में बैठा राहु उनके लिए अच्छा फल देगा, तब-तब विश्व में उनकी कामयाबी का परचम लहराएगा। लेकिन उनके खिलाफ विदेश में रहस्यमयी गतिविधियां चलती रहेंगी, लिहाजा समय-समय पर किस्मत के झटके भी लगते रहेंगे। क्योंकि सिंह लग्न के व्यक्ति अपने दम पर आगे बढ़ते हैं, इसलिए बड़े-बड़े लोग गौतम अडानी के लिए काम करेंगे, अलबत्ता जब भी कोई बड़ा नुकसान होगा, विदेश से होगा, सातवें भाव में गुरु-चंद्र की मौजूदगी साझेदारी में बड़ी कामयाबी की कहानी लिखेगी। परन्तु बारहवें घर में कर्क का राहु अक्सर कारोबार पर ग्रहण भी लगाएगा। वर्षफल में 5 अक्टूबर 2024 से जो बदलाव आया है, उसके कारण नुकसान की आशंका है, 13 फरवरी 2025 तक आर्थिक झटके लगते रहेंगे।

हुआई ने लांच किए नई मेट 70 सीरीज के स्मार्टफोन

नई दिल्ली ■

स्मार्टफोन बनाने वाली कंपनी हुआई ने अपनी नई मेट 70 सीरीज के स्मार्टफोन लॉन्च किए हैं। यह हुआई का पहला ऐसा ऑपरेटिंग सिस्टम है, जिसमें ओपन-सोर्स एंड्रॉयड कोड का उपयोग नहीं किया गया है। हारमनीओएस नेक्स्ट को एंड्रॉयड और आईओएस के विकल्प के रूप में देखा जा रहा है और यह हुआई के इकोसिस्टम को और मजबूत बनाने का वादा करता है।

मेट 70 सीरीज में तीन वेरिएंट्स–मेट 70, मेट 70 प्रो और मेट 70 प्रो+ शामिल हैं। मेट 70 की कीमत 5,499 चीनी युआन (लगभग 759 अमेरिकी डॉलर) से शुरू होती है, जबकि मेट 70 प्रो+ की शुरूआती कीमत 8,499 चीनी युआन (लगभग 1,170 अमेरिकी डॉलर) है। इन स्मार्टफोन्स में उन्नत प्रोसेसर, बेहतर कैमरा फीचर्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित फोटो एडिटिंग टूल्स शामिल हैं। हुआई ने इन स्मार्टफोन्स के जरिए अक क्षमताओं को ग्राहकों के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए प्रस्तुत किया है। हुआई ने मेट एक्स6 नामक एक फोल्डेबल स्मार्टफोन भी पेश किया, जिसकी कीमत 12,999 चीनी युआन (लगभग 1,700 अमेरिकी डॉलर) है। इस डिवाइस में फोल्डिंग तकनीक और बेहतर स्क्रीन फीचर्स हैं।

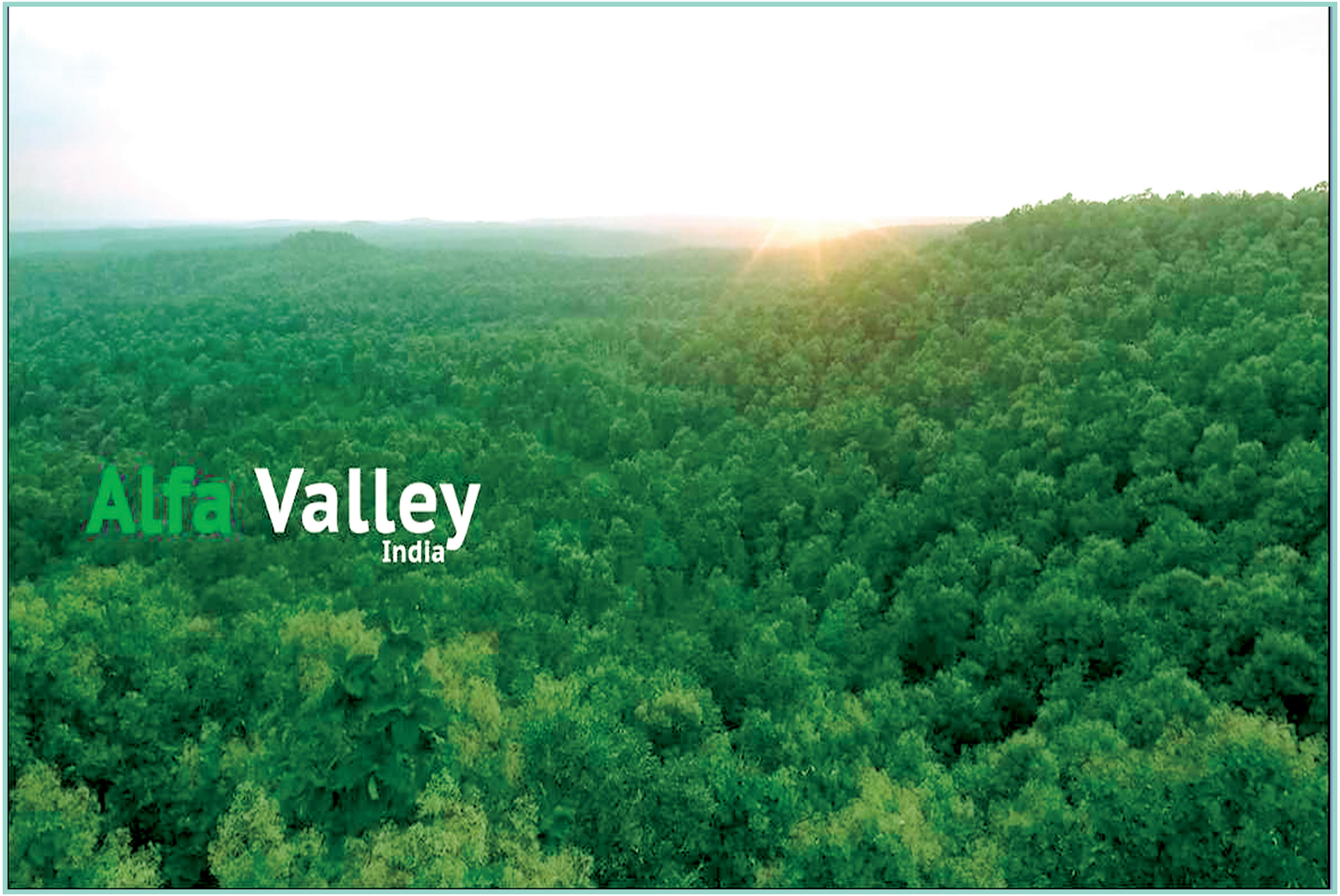

Alfa Valley
India

रोनाल्डो-मेसी के क्लब में शामिल हुए लेवांदॉस्की लीग में 100 गोल करने वाले तीसरे फुटबॉलर

रोम ■

पोलैंड के स्ट्राइकर राबर्त लेवांदॉस्की का इस सत्र में शानदार प्रदर्शन का क्रम जारी है। लेवांदॉस्की ने चैंपियंस लीग में बार्सिलोना की ब्रेस्ट पर 3-0 से जीत में दो गोल दागे। इसके साथ ही लीग में लेवांदॉस्की के गोल की संख्या 101 हो गई। वह लीग में सौ गोल करने वाले फुटबालर क्रिस्टियानो रोनाल्डो और लियोनल मेसी के क्लब में शामिल हो गए। रोनाल्डो ने लीग में 140 और मेसी ने 129 गोल किए हैं। इस जीत के साथ बार्सिलोना दूसरे स्थान पर पहुंच गया है और उसके नॉकआउट में पहुंचने की संभावनाएं प्रबल हो गई हैं। लेवांदॉस्की ने पेनाल्टी के जरिए पहला गोल किया और दूसरा उन्होंने पहले हाफ के स्टापेज समय में किया। बार्सिलोना के लिए तीसरा गोल दानी ओल्मो ने दागा।

हालैंड के दो गोल, सिटी ने फिर भी खेला ड्रॉ

एर्लिंग हालैंड के दो गोल के बावजूद मैनचेस्टर सिटी ने लीग में फेयनूर्ड के साथ 3-3 से ड्रॉ खेला। सिटी ने पिछले छह मुकाबलों में कोई मैच नहीं जीता है। हालैंड के 24 वर्ष की उम्र में लीग में गोल की संख्या 46 हो गई है। उन्होंने लीग में सबसे कम उम्र में 45 गोल करने के मामले में मेसी को पीछे छोड़ दिया। इल्के गुंडोगन ने सिटी के लिए तीसरा गोल किया। फेयनूर्ड के लिए अनीस मूसा, सेंटियागो जिमिनेज और डेविड हांको ने गोल दागे। एक अन्य मुकाबले में इंटर मिलान ने लिपजिग को 1-0 से हराया। इंटर को आत्मघाती गोल से जीत मिली और वह 13 अंकों के साथ शीर्ष पर है।

बायर्न ने पीएसजी को हराया

लीग के अन्य मुकाबलों में बायर्न म्यूनिख ने पेरिस सेंट जर्मेन को 1-0 से हराया। किम मिन जे ने पहले हाफ में बायर्न के लिए विजयी गोल दागा। अटलांटा ने यंग ब्वाएज को 6-1 से हराया। वहीं, आर्सेनल ने स्पोर्टिंग लिस्बन को 5-1 से रौंद दिया। जर्मनी के क्लब बायर लेवरकुसेन ने फ्लोरियन विर्ट्ज के दो गोल की बदौलत साल्जबर्ग को 5-0 से परास्त किया। एसी मिलान ने स्लोवान ब्राटिस्लावा को 3-2 से हराया। एटलेटिको मेड्रिड ने स्पार्टा प्राग को 6-0 से रौंद दिया।

गुकेश ने तीसरी बाजी जीत कर लिरेन पर मानसिक बढ़त बनाई, भारतीय खिलाड़ी के साथ हुई बदसलूकी?

सिंगापुर ■

भारत के युवा शतरंज खिलाड़ी डी गुकेश ने विश्व शतरंज चैम्पियनशिप में एक दिन के विश्राम के बार शुक्रवार को चौथी बाजी के लिए जब चीन के डिंग लिरेन के खिलाफ चुनौती पेश करेंगे तो 14 बाजियों वाले इस मुकाबले की तीसरी बाजी में मिली जीत से उनका मनोबल बड़ा हुआ होगा। 18 साल के गुकेश ने तीसरे दौर में शानदार प्रदर्शन करते हुए इस चैम्पियनशिप की अपनी पहली जीत दर्ज की। क्लासिक टाइम कंट्रोल के तहत खेली जा रही चैंपियनशिप में अभी 11 मुकाबले बचे हुए हैं।

जश्न नहीं मनाने दिया, एंटी डोपिंग परीक्षण के लिए ले गए

इससे पहले गुकेश को शुरुआती मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा था, जबकि दूसरा मुकाबला ड्रॉ रहा था। तीन बाजियों के बाद दोनों दोनों खिलाड़ियों के अब एक समान डेढ़-डेढ़ अंक हैं। जैसे ही यह युवा भारतीय ग्रैंडमास्टर टूर्नामेंट की अपनी पहली जीत का जश्न मनाने जा रहा था, उन्हें अपने जश्न को मजबूरी में रोकना पड़ा। ग्रैंडमास्टर और मेडिकल प्रोफेशनल झाओ जोंग युआन जो कि एक डोपिंग रोधी परीक्षण के लिए प्रभारी अधिकारी नियुक्त किए गए हैं, 18 वर्षीय गुकेश को बुला लिया और उन्हें परीक्षण के लिए ले गए। हालांकि, इसके बावजूद गुकेश ने अपना संयम बनाए रखा और स्थिति को शालीनता के साथ संभाला। पुरस्कार विजेता शतरंज खिलाड़ी, कोच और पत्रकार माइक क्लेन, जिन्होंने इस घटना को कैमरे में शूट किया, ने बताया कि डिंग लिरेन को भी कुछ ही समय बाद उसी प्रक्रिया से गुजरना पड़ा। फिडे नियमों के तहत कभी भी एंटी-डोपिंग परीक्षण आयोजित किए जाते हैं ताकि खेल की अखंडता को बनाए रखा जा सके।

आईसीसी ने पृथ्वी को एक समय बताया था अगला तेंदुलकर पर अब करियर खतरे में पड़ा

मुम्बई ■

अंडर-19 विश्व कप विजेता टीम के कप्तान पृथ्वी शॉ को एक समय भारतीय क्रिकेट का भविष्य बताया जा रहा था। पृथ्वी ने अपने टेस्ट पदार्पण में ही शतक लगा इस उम्मीद को और बल दिया था पर कुछ समय बाद ही हालात बदलने लगे और पृथ्वी की बल्लेबाजी फिकी पड़ने लगी वह सभी जगहों पर विफल होने लगे। इस बार तो आईपीएल नीलामी में उनपर किसी भी टीम ने बोली नहीं लगायी जिससे साफ है कि वह अब तेजी से अपने करियर में नीचे जा रहे हैं। एक समय आईसीसी ने उन्हें अगला सचिन तेंदुलकर बताया था पर अब उनका करियर आज खराब होता दिख रहा है। यहां तक कि उन्हें अनफिट बताकर पृथ्वी को मुंबई रणजी टीम से भी बाहर कर दिया गया है।

आईपीएल की मेगा नीलामी में दो बार उनका नाम आया और 75 लाख रुपये के आधार मूल्य के बावजूद उनके लिए एक भी बोली नहीं लगी. एक टेबल पर सौरव गांगुली थे, दूसरी पर राहुल द्रविड़. आशीष नेहरा, पार्थिव पटेल, जस्टिन लैंगर, रिकी पोंटिंग, स्टीफन फ्लेमिंग और डेनियल विटोरी भी बोली लगाने के लिए सलाह दे रहे थे लेकिन पृथ्वी में किसी की भी दिलचस्पी नहीं थी. ठीक इसी प्रकार भारतीय क्रिकेट में सचिन तेंदुलकर और विनोद कांबली ने एक साथ नाम कमाया था।

टेनिस बॉल क्रिकेट से मुलायम बने पूर्वांचल के उभरते खिलाड़ी

नई दिल्ली ■

उत्तर प्रदेश टेनिस बॉल क्रिकेट एसोसिएशन की टीम का हिस्सा रहे मुलायम आज पूर्वांचल के उभरते क्रिकेट खिलाड़ी बन चुके हैं। बीते दशक में मुलायम कुमार ने यूपीटीबीसीएल, यूपीसीएल, इंडिया कप, बीपीएल, एएसआर कप, एचएम ग्रीन सिटी कप, जेडकेपीएल जैसे दर्जनों टूर्नामेंट खेले हैं। इनमें किए गए मुलायम के प्रदर्शन ने उन्हें पूर्वी उत्तर प्रदेश और बिहार का एक बेहतरीन खिलाड़ी बनाया है। उन्होंने छोटे-बड़े 100 से अधिक टूर्नामेंट खेलकर 7 शतक और अनेक अर्धशतक की बदौलत 12000 से अधिक रन बनाए हैं। साथ ही

गेंदबाजी में भी मुलायम कुमार ने अपना लोहा मनवाया है। 1000 से अधिक मैचों में गेंदबाजी करते हुए उन्होंने 1200 से अधिक विकेट हासिल किये हैं। साथ ही लाजबाव फिटनेस के कारण मैदान पर फुर्ती से गेंद रोकने, कैंच पकड़ने और थ्रो करने की कला के कारण मुलायम आज उत्तर प्रदेश के बेहतरीन ऑल राउंडर की श्रेणी में आ चुके हैं।

एडीलेड में रोहित की वापसी हुई तो किस क्रम पर खेलेंगे राहुल

एडीलेड। भारतीय क्रिकेट अब 6 दिसंबर से एडिलेड में दूसरा क्रिकेट टेस्ट मैच खेलने उतरेगी। इस मैच में भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा वापसी करेंगे। इसी मैच से शुभमन गिल भी टीम में लौट सकते हैं, जो चोट के कारण पहला टेस्ट मैच नहीं खेल सके थे। इस प्रकार भारत को दो बदलाव करने पड़ सकते हैं।

पहले टेस्ट में रोहित के नहीं होने से राहुल ने यशस्वी जायसवाल के साथ पारी शुरु करते हुए दोनो ही पारियों में अच्छा प्रदर्शन किया था पर अब वह पारी की शुरुआत नहीं कर पायेंगे। उन्हें किस अगर नहीं तो किस नंबर पर खेलेंगे। ये सवाल अब उठ रहे हैं। माना जा रहा है कि रोहित और शुभमन को अंतिम ग्यारह में लाने के लिए देवदत्त पडिक्कल और ध्रुव जुरेल को बाहर बैठना होगा। ऐसे में राहुल की अंतिम ग्यारह में जगह बनी रहेगी।

मनोरंजन

मलाई मक्खन के बिना लखनऊ नहीं छोड़ सकती: तमन्ना भाटिया

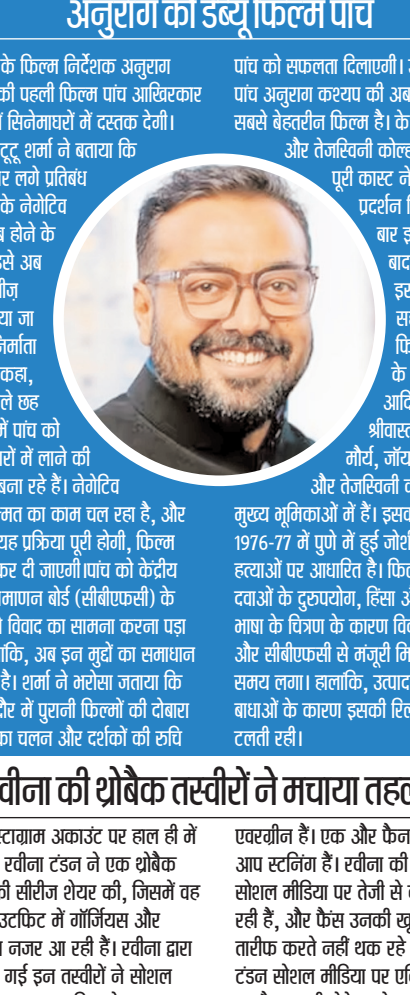

आगामी प्रोजेक्ट सिकंदर का मुकद्दर को लेकर अभिनेत्री तमन्ना भाटिया चर्चा में हैं। इतना ही नहीं, अभिनेत्री अपनी सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए भी सुर्खियों में हैं। अभिनेत्री ने हाल ही में लखनऊ में मलाई मक्खन के प्रति अपने प्यार का इजहार किया। तमन्ना ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा किया, जिसमें वह कार की पिछली सीट पर बैठी नजर आ रही हैं। उनके पास एक प्लेट में मलाई मक्खन रखा हुआ है और वह इसे देखकर बेहद खुश नजर आ रही हैं। अभिनेत्री ने कैप्शन में लिखा, मलाई मक्खन के बिना लखनऊ नहीं छोड़ सकती। यह पोस्ट लखनऊ के मशहूर और स्वादिष्ट व्यंजन के प्रति उनके प्यार को जाहिर करता है। बता दें कि मलाई मक्खन उत्तर प्रदेश के कई हिस्सों में विशेष रूप से लखनऊ, कानपुर और वाराणसी में खाया जाता है, जबकि दिल्ली में इसे दौलत की चाट के नाम से भी जाना जाता है। इसके बाद, अभिनेत्री ने अपने आगामी प्रोजेक्ट सिकंदर का मुकद्दर के प्रचार के दौरान अपनी सुनहरे और सफेद रंग की पोशाक में कुछ तस्वीरें भी साझा की। इन तस्वीरों में तमन्ना बेहद स्टाइलिश और ग्लैमरस नजर आ रही हैं। पोस्ट के कैप्शन में उन्होंने लिखा, देखो हीरे नहीं हैं मेरे पास, मैं एक गोल्डन गर्ल हूं।

2025 में सिनेमाघरों में दस्तक देगी अनुराग की डेब्यू फिल्म पांच

बालीवुड के फिल्म निर्देशक अनुराग कश्यप की पहली फिल्म पांच आखिरकार 2025 में सिनेमाघरों में दस्तक देगी। निर्माता टूटू शर्मा ने बताया कि फिल्म पर लगे प्रतिबंध और इसके नेगेटिव के खराब होने के कारण इसे अब तक रिलीज़ नहीं किया जा सका। निर्माता शर्मा ने कहा, हम अगले छह महीनों में पांच को सिनेमाघरों में लाने की योजना बना रहे हैं। नेगेटिव की मरम्मत का काम चल रहा है, और जैसे ही यह प्रक्रिया पूरी होगी, फिल्म रिलीज़ कर दी जाएगी।पांच को केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) के साथ लंबे विवाद का सामना करना पड़ा था। हालांकि, अब इन मुद्दों का समाधान हो चुका है। शर्मा ने भरोसा जताया कि मौजूदा दौर में पुरानी फिल्मों की दोबारा रिलीज़ का चलन और दर्शकों की रुचि पांच को सफलता दिलाएगी। उन्होंने कहा, पांच अनुराग कश्यप की अब तक की सबसे बेहतरीन फिल्म है। के के मेनन और तेजस्विनी कोल्हापुरी सहित पूरी कास्ट ने असाधारण प्रदर्शन किया है। एक बार इसे देखने के बाद दर्शक भी इस बात से सहमत होंगे। फिल्म में के के मेनन, आदित्य श्रीवास्तव, विजय मौर्य, जॉय फर्नांडिस और तेजस्विनी कोल्हापुरी मुख्य भूमिकाओं में हैं। इसका कथानक 1976-77 में पुणे में हुई जोशी-अभयंकर हत्याओं पर आधारित है। फिल्म नशीली दवाओं के दुरुपयोग, हिंसा और अभद्र भाषा के चित्रण के कारण विवादों में रही और सीबीएफसी से मंजूरी मिलने में समय लगा। हालांकि, उत्पादन से जुड़ी बाधाओं के कारण इसकी रिलीज़ बार-बार टलती रही।

रवीना की थ्रोबैक तस्वीरों ने मचाया तहलका

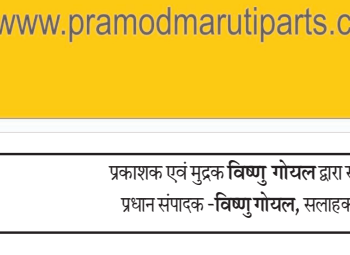

अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर हाल ही में अभिनेत्री रवीना टंडन ने एक थ्रोबैक तस्वीरों की सीरीज शेयर की, जिसमें वह ब्लैक आउटफिट में गॉर्जियस और स्टाइलिश नजर आ रही हैं। रवीना द्वारा शेयर की गई इन तस्वीरों ने सोशल मीडिया पर एक बार फिर से तहलका मचा दिया है, और उनके फैंस और फिल्म इंडस्ट्री के सितारे जमकर उनकी तारीफ कर रहे हैं। रवीना ने अपनी पोस्ट में कैप्शन लिखा, पुरानी तस्वीरें, फरवरी 2024। इन 12 तस्वीरों में से हर एक तस्वीर में रवीना की खूबसूरती और स्टाइल को देखकर फैंस मंत्रमुग्ध हो गए। तस्वीरों में रवीना का आत्मविश्वास और आकर्षण बखूबी झलकता है, और यह साबित करता है कि उम्र सिर्फ एक नंबर है। पोस्ट पर फिल्म डायरेक्टर फराह खान ने रवीना की तारीफ करते हुए कमेंट सेक्शन में फायर इमोजी डाला। एक फैन ने लिखा, वाह, चार्मिंग, तो दूसरे ने कहा, आप एवरग्रीन हैं। एक और फैन ने लिखा, आप स्टनिंग हैं। रवीना की यह तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं, और फैंस उनकी खूबसूरती की तारीफ करते नहीं थक रहे हैं। रवीना टंडन सोशल मीडिया पर एक्टिव रहती हैं और अपनी लेटेस्ट पोस्ट के जरिए फैंस से जुड़ी रहती हैं। वह कभी ट्रेडिशनल लुक में तो कभी वेस्टर्न आउटफिट में अपनी तस्वीरें शेयर करती रहती हैं। हाल ही में, अभिनेत्री ने कॉटन सलवार सूट में अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की थीं, जिनमें वह सादगी और खूबसूरती से भरी हुई नजर आईं। इसके अलावा, रवीना टंडन हाल ही में अपनी बेटी राशा थडानी के साथ झारखंड के वैद्यनाथ बाबा के दर्शन करने पहुंची थीं। वह द्वादश ज्योतिर्लिंग दर्शन के लिए निकली थीं, और इसके बाद उन्होंने मध्य प्रदेश के उज्जैन स्थित महाकाल मंदिर में भी दर्शन किए।

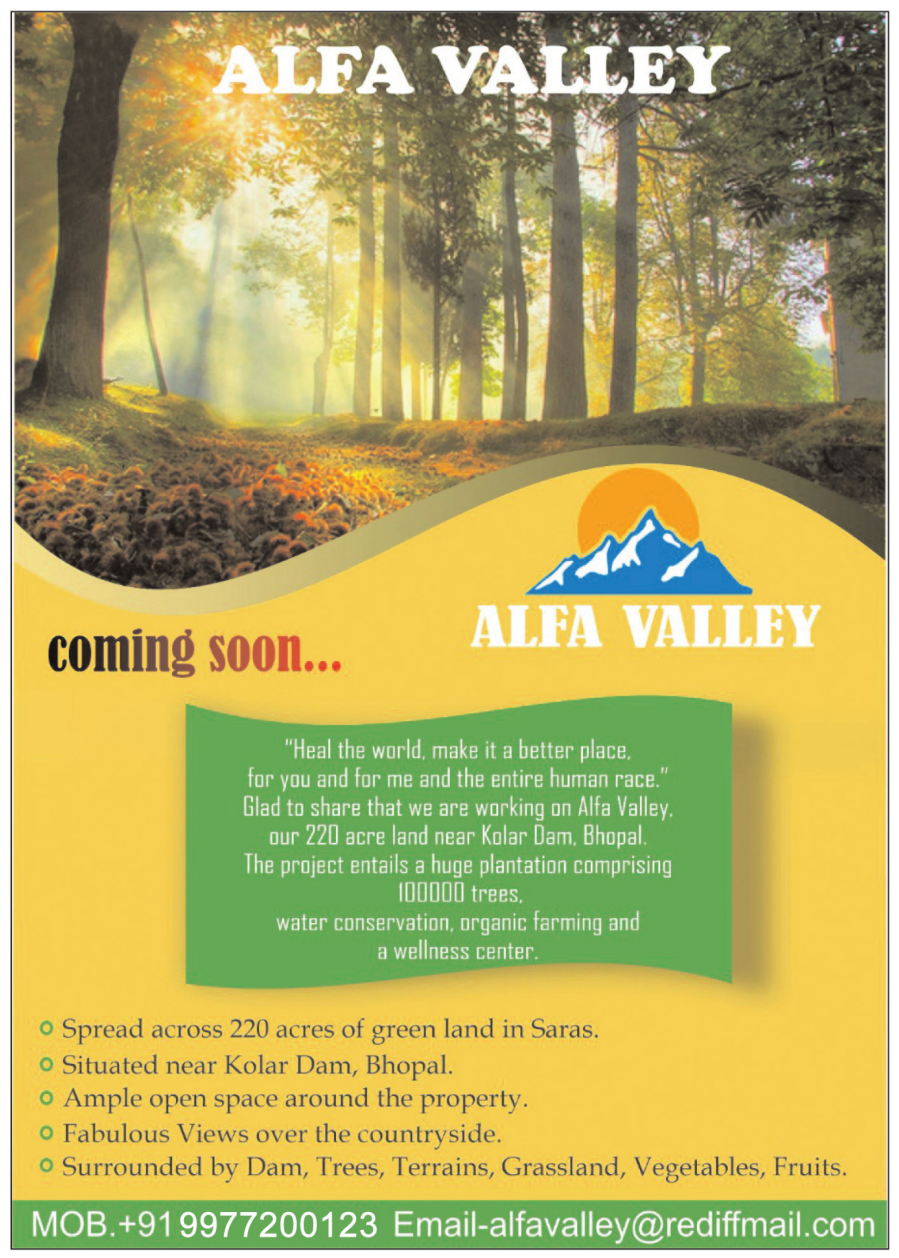

प्रकाशक एवं मुद्रक **विष्णु गोयल** द्वारा स्वामी शिवा पब्लिकेशन के लिए 1-ए, फिरोज गांधी प्रेस काम्प्लेक्स एबी रोड, इंदौर, मध्यप्रदेश से प्रकाशित एवं पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विस प्रा.लि. रिलायंस पेट्रोल पम्प के पीछे, सेंटर पाइंट, मांगलिया बायपास, इंदौर, मध्यप्रदेश से मुद्रित। Epaper_www.globalherald.news

प्रधान संपादक -**विष्णु गोयल,** सलाहकार संपादक- **सौरभ बैनर्जी**, प्रदेश संपादक- **दिलीप शर्मा**, स्थानीय संपादक **सत्येन्द्र जैन** *(*समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार)। मोबाइल नं.:-7999509078, आर.एन.आई. नं. MPHIN/2012/41876, email- editor@nationalherald.org/globalheraldeditor@gmail.com